卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐 जय बाबा की卐卐 श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 339 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦21 सितम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

खेल प्रतिभाओं को निखारने का काम कर रही सरकार : धामी

स्टेडियम पहुंचने पर मुख्यमंत्री का हुआ जोरदार स्वागत, सीएम धामी ने खिलाड़ियों पर बरसाये फूल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। स्थानीय मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित राज्य ओलम्पिक खेलों के दूसरे उत्साहवर्धन कर उन्हें आर्शीवाद देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री धामी के यहां सुसज्जित वाहन पर सवार होकर स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान श्री धामी ने मार्ग के दोनो ओर खड़े सभी खिलाड़ियों द्वारा भी वाद्य यंत्रों के साथ श्री धामी का जोरदार स्वागत किया। श्री धामी और सांसद अजय भट्ट के मंच पर पहुंचने पर खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर मुख्यमंत्री श्री धामी को सलामी दी। श्री धामी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अगले वर्ष खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास का मौका मिलेगा, साथ ही राज्य में शीघ्र ही खेल कुम्भ का आयोजन किया जायेगा जिसमें

दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहुंचकर खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ियों का पहुंचने पर कई अधिकारियों,जनप्रतिनिधियों व भाजपाईयों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। श्री धामी हेलीपेड से पर पुष्प वर्षा करते हुये उनका स्वागत करते हुये उत्साहवर्धन किया। इस बीच एनसीसी बैण्ड व छोलिया नृत्य कलाकारों राज्य ओलम्पिक संघ के पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे सभी टीमों के प्रदेश में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जाना है इससे पूर्व यहां स्पोर्टस स्टेडियम में राज्य ओलम्पिक खेलों के माध्यम से सभी खेलों के खिलाड़ी अपनी उच्च प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश (**शेष पेज सात पर**)

घर में घुसकर कई राउंड फायरिंग

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। थाना गदरपुर क्षेत्र स्थित ग्राम रतनपुरा में गत रात्रि आपसी रंजिश को लेकर एक पड़ोसी द्वारा घर में घुसकर कई राउंड फायरिंग करने की घटना सामने आई है। बताया जाता है कि गांव में गत दिनों विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी के संबंध में की गई चेकिंग से रंजिश मानते हुए एक पड़ोसी द्वारा बिजली चोरी की शिकायत के शक में फायरिंग की घटना हुई है। ग्राम रतनपुरा निवासी अमर सिंह ने थाना गदरपुर में दी गई शिकायत में बताया कि पड़ोसी सिमरजीत सिंह लक्की, उनके परिवार से रंजिश मान रहा है और बिजली विभाग में शिकायत करने का विगत दिनों गांव में बिजली विभाग की ओर से बिजली चोरी के संबंध में चेकिंग की गई थी। इस घटना के बाद से उनका आरोप लगाते हुए उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। अमर सिंह का कहना है कि 20

सितंबर की रात पड़ोसी लक्की रिवाल्वर लेकर उनके घर छत के रास्ते से घुस आया और परिजनों से गाली गलौच करने लगा। जब परिजनों ने इस पर एतरात किया तो लक्की ने जान से मारने की धमकी देते हुए रिवाल्वर निकालकर तान दी। इस पर उसने डरकर भागकर कमरे में छुपकर अपनी जान बचाई। अमरसिंह का आरोप है कि इस दौरान (**शेष पेज सात पर**)

मोबाईल से बात करते दो मंजिल से गिरी महिला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिवस निकटवर्ती ग्राम लालपुर में फैक्ट्री से ड्यूटी कर घर वापस लौटने के बाद मोबाईल पर बात करने के दौरान एक महिला असंतुलित होकर दोमंजिल से नीचे आ गिरी। परिजन उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवााया। जानकारी के अनुसार मूलरूप से बीसलपुर पीलीभीत निवासी वासुदेव ट्रक चालक है और उसकी पत्नी 35 वर्षीय गुड्डी एक निजी फैक्ट्री में काम करती थी। बताया जाता है कि गत सायं गुड्डी ड्यूटी से घर वापस लौटी और दोमंजिल पर किसी से

मोबाईल पर बात करने लगी। इसी दौरान वह असंतुलित होकर घर के पीछे की ओर जा गिरी और लहूलुहान होकर बेसुध हो गई। जब गुड्डी काफी देर तक वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की । इस दौरान गुड्डी घर के पीछे लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतका गुड्डी की एक पुत्री व दो पुत्र हैं।

अधजला शव मिलने से क्षेत्र में मची सनसनी

रूड़की(उद संवाददाता)। गंग नहर के किनारे सुबह-सुबह अधजला शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लेकिन अब तक अधजले शव की

शिनाख्त नहीं हो पाई है।रूड़की के मंगलौर में मंडावली गांव के पास गंग नहर के किनारे अधजला शव मिला है। जिसके बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है। जिसकी सूचना पाकर तत्काल मौके पर पुलिस के आला अधिकारी पहुंचे। इसके साथ ही फोरेंसिक टीम के द्वारा भी बारीकी से जांच की गई। हालांकि अभी तक अधजले शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधजला शव (**शेष पेज सात पर**)

विक्रम को काशीपुर और राजेश को हल्द्वानी कोतवाली की कमान

उधमसिंहनगर और नैनीताल जिले में पुलिस कर्मियों के हुये तबादले

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने जनपद के चार निरीक्षकों व दो उप निरीक्षकों का स्थानांतरण किया है। कार्यालय से जारी किये गये आदेश में कहा गया गया है कि डीसीआरबी पुलिस कार्यालय में तैनात निरीक्षक जगदीश ढकरियाल को कोतवाली जसपुर का प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली जसपुर के प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र सिंह चौधरी को थानाध्यक्ष कुंडा, थानाध्यक्ष कुंडा निरीक्षक विक्रम राठौर को कोतवाली काशीपुर का प्रभारी निरीक्षक, काशीपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह को वरिष्ठ पुलिस कार्यालय वाचक, केलाखेड़ा के थानाध्यक्ष उप निरीक्षक ललित मोहन रावल को वरिष्ठ उप

निरीक्षक कोतवाली रूद्रपुर तथा कोतवाली रूद्रपुर के वरिष्ठ उप निरीक्षक अशोक कुमार को थानाध्यक्ष केलाखेड़ा की कमान सोंपी गई हैं। **हल्द्वानी**-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रहलाद नारायण मीणा द्वारा जनपद के कई पुलिस अधिकारियों के किये गये स्थानांतरण की सूची में निरीक्षक राजेश यादव का नाम भी शामिल है जिन्हें हल्द्वानी कोतवाली की जिम्मेवारी दी गई है। श्री यादव के लिए हल्द्वानी शहर की आवोहवा व नक्शा नया नहीं है। क्योंकि वह इससे पूर्व भी मेडिकल कालेज, भोटिया पड़ाव चौकी सहित पुलिस महकमे के कई क्षेत्रों में अपने दायित्वों को ईमानदारी से निर्वहन कर आम जनता में अपनी खास छवि बना चुके हैं। अब पुलिस कप्तान ने उन पर विश्वास जताते हुए ऐसे समय पर कुमाऊं के प्रमुख महानगर हल्द्वानी कोतवाली की जिम्मेवारी सौंपी है जब कि निकाय चुनाव के साथ ही कई पर्व भी नजदीक आ चुके हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेवारी सम्भालना काफी चुनौती भरा होगा।

महिला प्रदेश कांग्रेस ने किया मुख्यमंत्री आवास कूच

देहरादून(उद संवाददाता)। महिला प्रदेश कांग्रेस ने मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सहित पूरे प्रदेश से कांग्रेस नेता कूच में शामिल हुए। प्रदेश में बढ़ते अपराधों के विरोध में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में सीएम आवास पर कांग्रेसियों ने हल्ला बोला। महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा ज्योति रौतेला ने कहा कि राज्य में महिलाओं के साथ हो रहे बलात्कार, अत्याचार एवं उत्पीड़न के विरोध में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया गया है। प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा ज्योति रौतेला ने कहा कि राज्य में महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म, अत्याचार एवं उत्पीड़न के मामले बढ़ रहे हैं लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। महिला कांग्रेस कार्यकर्ता राजपुर रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एकत्र हुए और यहां से रैली निकालकर

राजपुर रोड होते हुए हाथीबड़कला तक गए, जहां पर भारी पुलिस फोर्स बैरिकेडिंग लगाकर तैनात थी। इससे पूर्व कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व सीएम हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य व पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत, भुवन कापड़ी, गरिमा दसौनी, रणजीत रावत सहित भारी संख्या में महिला एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था और बढ़ते महिला अपराध को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला।

सीएम हेल्पलाइन का संविदा कर्मी साथी समेत गिरफ्तार

शिकायत का निस्तारण की कराने को लेकर शिकायतकर्ता से मांगी थी 2500 रुपये रिश्वत

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल के संविदा कर्मचारी को पुलिस उसके साथी समेत ढाई हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में पकड़ा है। आरोपी हरिद्वार निवासी एक व्यक्ति की शिकायत का निस्तारण करने के लिए यह रकम मांग रहे थे। इसके लिए संविदा कर्मचारी ने अपने खाते का क्यूआर कोड भी पीड़ित तक पहुंचाया था। राजपुर थाने में आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी अजय सिंह को मिली एक गोपनीय शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि इस शिकायत की प्राथमिक जांच के लिए एसओजी को जिम्मेदारी दी गई थी। पता चला कि मनोज ठकराल हरिद्वार के गुरुकुल नारसन में एक रेस्टोरेंट में मैनेजर के पद पर काम कर रहे थे। लेकिन, रेस्टोरेंट संचालक ने मनोज का तय वेतन नहीं दिया। इस पर उन्होंने श्रमायुक्त कार्यालय रुड़की में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन, कोई कार्रवाई न होने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1905 पर भी शिकायत दर्ज करा दी। इसके बाद उन्हें शैलेंद्र गुसाईं नाम के व्यक्ति ने खुद को सीएम हेल्पलाइन का कर्मचारी बताते हुए कॉल की। उसने कहा कि उनकी शिकायत का निस्तारण हो जाएगा लेकिन इसके लिए 2500 रुपये देने होंगे। शैलेंद्र ने मनोज ठकराल को व्हाट्सएप पर एक क्यूआर कोड भी भेज दिया। एसओजी ने गोपनीय जांच के आधार पर पाया कि यह क्यूआर कोड शैलेंद्र का नहीं बल्कि किसी और के खाते का है। इसके बाद सच्चाई सामने आई कि क्यूआर कोड शुभम आनंद नाम के युवक का है। शुभम आनंद मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में संविदा पर तैनात है। उसी ने शैलेंद्र गुसाईं को मनोज ठकराल का मोबाइल नंबर भेजा था। ताकि वह उससे बात कर रिश्वत मांग सके। एसएसपी ने बताया कि इस मामले में सब इंस्पेक्टर आदित्य सैनी की तहरीर के आधार पर राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस इस बात की भी जानकारी कर रही है कि कहीं किसी अन्य व्यक्ति के साथ तो इस तरह की ठगी नहीं हुई है। दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। शुभम आनंद मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में गत छह महीने से काम रहा है। वह इस वक्त कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव के पद पर है। उसका वेतन 10500 रुपये प्रति माह है। शुभम आनंद माउंट व्यू कॉलोनी आईटी पार्क का रहने वाला है। जबकि, उसका साथी शैलेंद्र गुसाईं कैनाल रोड, गुमानीवाला, ऋषिकेश का रहने वाला है। वह इस वक्त टूर एंड ट्रैवल व प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। आरोपियों ने कुछ समय पहले इस तरह की योजना बनाई थी। एसएसपी ने अपील की है कि यदि किसी ने इस प्रकार से रिश्वत दी है तो वह भी पुलिस को शिकायत कर सकता है।

शिमला में हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों से मिले राज्यपाल

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शिमला में हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों से औद्यानिकी (बागवानी) और आपदा प्रबंधन के विभिन्न प्रयासों की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने आपदा से निपटने के लिए प्रभावी रणनीतियों, किसानों की आय में वृद्धि हेतु सेब और अन्य फलों की खेती को प्रोत्साहित करने और जैविक एवं प्राकृतिक कृषि में हो रहे नवाचारों पर

प्रस्तुतीकरण दिया।राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश का सेब उत्पादन पूरे देश में एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश की समान भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, इस मॉडल को उत्तराखण्ड में भी अपनाने की संभावनाओं पर विचार किया गया। राज्यपाल द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में दोनों प्रदेशों के बीच आपसी सहयोग और समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया।

अवैध शराब की सप्लाई का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हरियाणा की शराब पर उत्तराखंड का मोनोग्राम लगाकर गोदाम से करते थे सप्लाई

देहरादून(उद संवाददाता)। हरियाणा की शराब पर उत्तराखंड के मोनोग्राम और लेबल लगाकर बेचने वाले तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक गोदाम और वाहन भी पकड़ा है, जिससे बड़ी मात्रा में हरियाणा की शराब बरामद हुई है। तीनों आरोपी बिजनौर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। गोदाम से हजारों मोनोग्राम, स्टीकर और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने सप्लाई के लिए प्रयोग किए जा रहे वाहन को भी सीज किया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि कार्रवाई नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र में की गई। एसओ नेहरू कॉलोनी मोहन सिंह की टीम ने यूटिलिटी वाहन पकड़ा था। इसमें देखा तो पता चला कि शराब की 15 पेटियां लदी हुई थीं। यह शराब हरियाणा में बिक्री वाली थी। चालक से पूछताछ में पता चला कि यह शराब साकेत कॉलोनी स्थित एक मकान में ले जाई जा रही थी। पुलिस ने इस मकान पर छापा मारा तो अंदर से दो युवकों को हिरासत में लिया गया। मौके पर एक कमरे में 15

पेटियां अंग्रेजी शराब की बरामद हुईं। साथ ही उत्तराखंड आबकारी के मोनोग्राम, शराब के स्टीकर व अन्य सामग्री बरामद हुई। एसएसपी ने बताया कि तीनों आरोपियों फईम निवासी बुड्ढी, थाना मंडावली, अहसान निवासी टीप, थाना मंडावर और मोसिन निवासी नया गांव, थाना मंडावली, बिजनौर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी यहां सस्ती शराब लाकर इस पर उत्तराखंड का स्टीकर लगाकर बेचते थे। इससे अच्छा खासा मुनाफा भी कमा रहे थे। इनके अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है। एक व्यक्ति वहां से भाग निकला है।बरामद शराब में हरियाणा के साथ-साथ कुछ शराब चंडीगढ़ की भी है। आरोपियों ने बताया कि वे साहिल नाम के युवक के लिए काम करते हैं। साहिल ही हरियाणा और चंडीगढ़ से शराब तस्करी कर लाता है। इसके बाद इन्हें उत्तराखंड का दर्शाकर देहरादून और आसपास के जिलों में सप्लाई किया जाता है। आरोपियों के पास से बहुत से उपकरण बरामद हुए हैं। इनसे वह स्टीकर और मोनोग्राम उतारते थे। शराब की बोतलों के स्टीकर को उतारने के लिए आरोपी हीटींग मशीन का प्रयोग करते हैं। इससे यह स्टीकर पूरी तरह निकल जाता है। इसके बाद इस पर फोर सेल इन उत्तराखंड ओनली लिखा हुआ शराब के ब्रांड का लेबल लगा दिया जाता है। ताकि यह शराब उत्तराखंड की ही लगे।

मुकेश बोरा के दो घरों की हुई कुर्की, पुलिस ने उठाया सामान

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। पॉक्सो और दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे नैनीताल दुग्ध संघ के अध्यक्ष मुकेश बोरा के दोनों घरों में शुक्रवार को पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई की। मुकेश बोरा हल्द्वानी के ऊंचापुल में किराए के मकान में रहता है। पुलिस ने कमरे का ताला तोड़कर सारा सामान उठाकर लालकुआं थाने में रख दिया है। वहीं ओखलकांडा स्थित आवास में भी कुर्की की कार्रवाई की गई। यहां से भी सामान वाहन में लादकर लालकुआं कोतवाली लाया गया। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि 11 सितंबर को आरोपी मुकेश बोरा के दोनों आवासों पर पुलिस ने कुर्की का नोटिस चस्पा कर मुनादी कराई थी। इसके बावजूद बोरा ने सरेंडर नहीं किया।

शुक्रवार को पुलिस टीमें मुकेश बोरा के हल्द्वानी और ओखलकांडा स्थित आवास पर कुर्की के लिए पहुंचीं।हिम्मतपुर तल्ला और ओखलकांडा स्थित आवास से गिफ्ट पैक, रजाई, अल्मारी, फ्रिज, पंखे टेबल, कुर्सी समेत सभी घरेलू सामान उठा लिया गया। कुर्की की कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वीडियो रिकॉर्डिंग भी की। पुलिस अब कुर्क किए गए सामान का एक सप्ताह के अंदर मूल्यांकन करेगी।

श्री दुर्गा समिति द्वारा मां वैष्णो दरबार यात्रा 24 सितम्बर से

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री दुर्गा यात्रा समिति के तत्वाधान में श्री दुर्गा मंदिर से इस बार 33 वी मां वैष्णो दरबार यात्रा आगामी 24 सितम्बर को प्रस्थान करेगी। वरिष्ठ समाजसेवी एवं यात्रा समिति के

संयोजक वेद ठुकराल के नेतृत्व मे यात्रा का 33वा वर्ष है। वेद ठुकराल नगर से जाने वाली बसों मे वैष्णो दरबार जाते थे। एक बार यात्रा के दौरान महंत मोहन लाल जी ने एनाउंस किया कि वहां पहाड़ पर देखो मां नैनादेवी का मंदिर। जिज्ञासावश् वेद ठुकराल ने पूछा कि वहा बस नही जाती। महंत जी ने कहा जो अच्छे भाव से ले जाता है उनकी बस चढ़ जाती है। अब वेद को माँ नैनादेवी जी से मिलने का जुनून सवार हो गया। उन्होंने मंदिर की तरफ देखकर अरदास लगाई। रात को माँ नैनादेवी सपने मे आयी और बस लाने का आदेश दिया। अगले दिन जब चिंतपूर्णी जी से वापिस आ रहे थे तो फिर नैनादेवी जी का मंदिर दिखाई दिया। तब वेद ठुकराल ने बस मे घोषणा की, अगले साल एक बस माँ वैष्णो दरबार यात्रा पर आएगी जो सबसे पहले नैनादेवी जी के दर्शन करेगी। बस मे कई लोगो ने इस बात का मजाक उड़ाया। लेकिन माँ भगवती के आशीर्वाद की बस 33 वर्ष मे प्रवेश कर, हजारों लोगो को दर्शन करा चुकी है। इस बस मे सबको सभी स्थानों पर खुले दर्शन होते है, चाहे कितनी भी भीड़ क्यो न हो। वेद ठुकराल ने बताया कि बस मे सभी देवता विराजमान रहते हैं और यात्रा की समाप्ति पर होने वाले हवन मे आशीर्वाद देकर जाते हैं।

शक्तिफार्म मार्ग पर नो इन्ट्री की मांग

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। शक्ति फार्म के लोगों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर सिडकुल से शक्ति फार्म होकर गुजरने वाले वाहनों पर सुबह पाँच से रात दस बजे तक रोक लगाने की मांग की है। शक्तिफार्म के वार्ड न० दा`निवासी रमेश राय ने एसएसपी पत्र देकर कहा है कि कुछ समय पहले हादसे में एकछात्र और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई थी।

इसके बाद शक्ति फार्म पुलिस ने गणमान्य लोगों के साथ बैठक कर कस्बे में बड़े वाहनों के लिए सुबह पाँच से लेकर रात दस बजे तक नो एंट्री लागू करने का निर्णय लिया था। इस निर्णय का तीन महीने तक पालन किया गया। जिससे हादसा में कमी आई। इसके बाद इसका पालन बंद कर दिया गया है। अब दिन रात सिडकुल से निकलने वाले बड़े वाहन शक्ति फार्म होकर किच्छा की ओर जाते हैं। इस मामले की शिकायत एसडीएम से करने पर उन्होंने कई बार पुलिस को नो एंट्री का पालन करने का आदेश दिया लेकिन अब तक व्यवस्था लागू नहीं की गई। उन्होंने एसएसपी से नो एंट्री लागू करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालो में रमेश रॉय, विश्वजीत विश्वास, रंजीत सरकार, समीर शील, दिलीप रॉय व मनोज महंत आदि शामिल थे

व्यापार मण्डल के जिला उपाध्यक्ष बने विजय

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)।प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल उधम सिंह नगर जिला स्तरीय कार्यक्रम में शक्तिफार्म के वरिष्ठ व्यापारी विजय बागला को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत करते हुये उन्हे प्रमाण पत्र सौपा। जिला मुख्यालय उधम सिंह नगर पर एक रेस्टारेंट में प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल की जिला स्तरीय सम्मेलन में शक्तिफार्म के विजय बागला के कद को बढ़ाते हुये उन्हे जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री बागला को प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश अरोरा,गुलशन छावड़ा, जिला प्रभारी अनिल खुलासा,जिला अध्यक्ष राजकुमार भुड्डी, जिला महामंत्री निर्मल

सिंह हँसपाल ने सयुक्त रूप से प्रमाण पत्र सौपते हुये उनसे व्यापारी हित में कार्य करने की अपेक्षा की गई। श्री बागला के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर उन्हे जिला सयुक्त मंत्री विपिन डालमिया,अध्यक्ष रविन्द्र अग्रवाल,महामंत्री शुभम अग्रवाल,कोषाध्यक्ष विक्की मण्डल,ओम प्रकाश कालरा,बलराम पोद्दार,जगदीश डालमिया,मनोज राय आदि द्वारा बधाई देते हुये शुभकामनायें दी गई।

निबंध प्रतियोगिता में तृप्ति अग्रवाल बनी विजेता

रानीखेत (उद संवाददाता)। स्वर्गीय श्री जयदत्त वैला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक मोटे अनाज व उनके पोषकमान था। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। जिसमें बीए पंचम सत्रार्ध की तृप्ति अग्रवाल को प्रथम स्थान, बीए प्रथम सत्रार्ध की तनुजा पाण्डे को द्वितीय स्थान व बीए प्रथम सत्रार्ध की उर्मिला को तृतीय स्थान मिला। इस दौरान गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डा .पारुल बोरा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए काफी

बेहतर होता है विशेष कर महिलाओं एवं बच्चों को मोटे अनाज का अधिकतम सेवन करना चाहिए क्योंकि इसमें पौष्टिक तत्व अधिक मात्रा में होते हैं। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज के सेवन से शरीर को जहां मजबूती प्रदान होती है वहीं बौद्धिक क्षमता का भी विकास होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के विभाग प्रभारी डॉ. पीएन तिवारी द्वारा एवं संचालन गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. पारूल बोरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ नीतिका, डॉ. निर्मला जोशी, डॉ. राहुल चंद्रा, डॉ. दीपाली कनवाल, डॉ. आस्था अधिकारी, डॉ. निष्ठा शर्मा, डॉ. किरन चौहान आदि प्राध्यापक सम्मिलित हुए।

कार्यशाला में दी स्टार्ट अप योजना की जानकारी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र विपिन कुमार ने बताया कि उद्योग निदेशालय, देहरादून के निर्देशों के क्रम में जिला उद्योग केंद्र सभागार में स्टार्टअप एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ उद्योग निदेशालय से आये संयुक्त निदेशक उद्योग डॉ० दीपक मुरारी द्वारा किया गया।महाप्रबंधक ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्टार्ट अप पॉलिसी 2023 के बारे मे विस्तृत जानकारी दिये जाने हेतु इकोसिस्टम से जुड़े विद्यार्थी/संस्थान एवं अन्य उद्यमियों जागरूक करना है। कार्यशाला में स्टार्ट अप इण्डिया से अपराजिता सैनी द्वारा स्टार्ट अप योजना के सम्बन्ध में वर्चुअल के माध्यम से

विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। आईआईएम काशीपुर से आये इन्क्यूबेटर संजय पाल द्वारा कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले संस्थान के विद्यार्थी एवं नव उद्यमियों को स्टार्टअप के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। कार्यशाला में संयुक्त निदेशक उद्योग निदेशालय देहरादून डॉ० दीपक मुरारी, अध्यक्ष सिडकुल इंटरप्रेन्योर वेलफेयर सोसायटी श्रीकर सिन्हा, अध्यक्ष केजीसीसीआई अशोक बंसल, इन्दूयबेटर आईआईएम काशीपुर संजय पाल, एमए सएमई डेवल पमेन्ट फोरम आकाश सक्सेना, महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र विपिन कुमार एवं संस्थान से आये विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अपहरण, चोरी, वाहन चोरी, लूट की घटनाओं में हुई बढ़ोत्तरी

उत्तराखंड में तीन वर्षों में हत्या, बलात्कार, डकैती जैसे अपराधों में आयी कमी

काशीपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में पिछले तीन वर्षों में हत्या, बलात्कार, डकैती जैसे गंभीर अपराधों में भारी कमी हुई है जबकि अपहरण, चोरी, वाहन चोरी, लूट आदि अपराधों में बढ़ोत्तरी हुई। यह खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट को पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय से वर्ष 2023 में दर्ज अपराधों सम्बन्धी विवरणों की सूचना चाही थी। इसके उत्तर में पुलिस मुख्यालय उत्तराखंड की लोक सूचना अधिकारी/अपर पुलिस अधीक्षक (कार्मिक), शाहजहां जावेद खान ने अपने पत्रांक 53 के साथ पुलिस उपाधीक्षक सी.सी.टी.एन.एस. विवेक सिंह कुटियाल द्वारा उपलब्ध कराये गये वर्ष 2021, 2022 व 2023 के अपराधों के विवरण की सत्यापित फोटो प्रति उपलब्ध करायी है। श्री नदीम को उपलब्ध 2021, 2022 तथा 2023 तीन वर्ष के तुलनात्मक अपराधों के विवरण के अनुसार उत्तराखंड में 2021 में 208 हत्या के अपराध हुये थे जो 2022 में 187 तथा 2023 में 12 प्रतिशत कम होकर 183 हो गये। दहेज हत्या के वर्ष 2021 में 72 अपराध हुये जबकि 2022 में 70 तथा 2023 में 33 प्रतिशत कम होकर 48 हो गये। हत्या के लिये अपहरण के 2021 में 4 अपराध, 2022 में 2 तथा 2023 में 75 प्रतिशत कम

होकर 1 रह गये। फिरौती के लिये अपहरण के 2021 में 6, वर्ष 2022 में 3 तथा 2023 में 66 प्रतिशत कम होकर 2 रह गये। बलात्कार के वर्ष 2021 में 534 अपराध हुये जबकि 2022 में इसमें 62 प्रतिशत की भारी बढ़ोत्तरी होकर 867 हो गये लेकिन 2023 में 2021 के मुकाबले 21 प्रतिशत कमी होकर 421 अपराध ही रह गये। डकैती के 2021 में 14 अपराध हुये जो 2022 में 35 प्रतिशत बढ़कर 19 हो गये लेकिन 2023 में 21 प्रतिशत कम होकर 11 रह गये। आई.टी.एक्ट के 2021 में 668 अपराध हुये जो 2022 में 495 तथा 2023 में 38 प्रतिशत कम होकर 417 रहे गये। अन्य आई.पी.सी. अपराधों में भी भारी कमी हुई है। 2021 में 4145 अपराध दर्ज हुये जो 23 प्रतिशत घटकर 2022 में 3204 रह गये है तथा 2023 में वर्ष 2021 की तुलना में 40 प्रतिशत कम होकर 2503 रह गये हैं। श्री नदीम को उपलब्ध विवरण के अनुसार विभिन्न अपराधों में 2021 की तुलना में बढ़ोत्तरी भी हुये है। इसमें अपहरण के 2021 में 819 अपराध हुये जो 2022 में 43 प्रतिशत बढ़ोत्तरी होकर 1169 हो गये तथा 2023 में 2021 की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़कर 1264 हो गये। दंगों के 2021 में 791 अपराध हुये जिसमें 2022 में 16 प्रतिशत बढ़ोत्तरी होकर 915 हो गये तथा 2023 में 1 प्रतिशत बढकर 799 हो गये। चोरी के 2021 में 2195 अपराध दर्ज हुये जो 2022 में 28 प्रतिशत बढ़कर 2801 हो गये तथा 2023 में 38 प्रतिशत बढ़कर 3001 हो गये। आटो/मोटर वाहन चोरी के 2021 में 963 अपराध दर्ज हुये जो 35 प्रतिशत बढ़कर 2022 में 1303 हो गये तथा 2023 में 58 प्रतिशत बढ़कर 1520 हो गये। सेंधमारी के 2021 में 508 अपराध दर्ज हुये जो 2022 में 6 प्रतिशत बढ़कर 537 तथा 2023 में 3 प्रतिशत बढ़कर 523 हो गये। लूट के वर्ष 2021 में 174 अपराध हुये जो 2022 में 25 प्रतिशत बढ़कर 218 तथा वर्ष 2023 में 2021 की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक 195 अपराध हुये हैं।

एसएसपी ने किया महिला हेल्प लाईन का औचक निरीक्षण

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने महिला हेल्प लाईन का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने सख्त दिशा निर्देश दिये है। शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिलाओं से संबंधित अपराधों में पीड़ितों की तत्काल सहायता करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।पुलिस कार्यालय में महिलाओं की सहायता हेतु बनाये गए महिला हेल्पलाइन में तैनात अधिकारियों के साथ महिला हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। महिला हेल्पलाइन में नियुक्त कर्मचारी को निर्देशित किया गया की महिला हेल्पलाइन पर आने वाली सभी महिलाओंको उचित सम्मान देते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें।

रामपुर पुलिस करेगी रेलवे ट्रैक पर पोल रखने की जांच

रूद्रपुर। रेलवे ट्रैक पर लोहे का पोल रखने के मामले रेलवे के कमांडेंट ने घटनास्थल का दौरा कर जानकारी हासिल की। उन्होंने कार्मिकों को रेलवे ट्रैक की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। इसकी जांच रामपुर (यूपी) पुलिस को सौंप दी गई है।बुधवार रात रुद्रपुर सिटी स्टेशन से महज 500 मीटर की दूरी पर यूपी सीमा पर स्थित बिलासपुर क्षेत्र में अवांछनीय तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर लोहे का पोल रख दिया था। इसी ट्रैक से रात साढ़े नौ बजे देहरादून से काठगोदाम जाने वाली नैनी-दून जन शताब्दी ट्रेन को गुजरना था। समय रहते लोको पायलट ने ट्रैक पर पोल देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। मामला सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) सक्रिय हो गई।शुक्रवार को रेलवे के इज्जतनगर (बरेली) मंडल के कमांडेंट पवन कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया। घटना के संबंध में जानकारी हासिल की। इस दौरान

आरपीएफ कर्मियों ने उन्हें बताया कि रेलवे पटरी के पास टेलीफोन का खंबा काफी समय से पड़ा था। इसे उठाकर पटरी पर रखा गया था। श्रीवास्तव का कहना था कि मामला रामपुर (यूपी) पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ही इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।उधर, पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि रेलवे ट्रैक को बाधित करने के मामले के खुलासे में आरपीएफ रामपुर पुलिस को सहयोग कर रही है। जल्द ही प्रकरण से पर्दा उठने की उम्मीद है। पवन कुमार श्रीवास्तव, कमांडेंट आरपीएफ के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है। अभी स्पष्ट रूप से नहीं कह सकते कि ट्रेन को पलटाने की साजिश थी या नहीं। खंबे से ट्रेन को नुकसान पहुंचता, लेकिन ट्रेन पलट नहीं सकती है। फिर भी सारे पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है।

महिला की मौत के मामले में पति सहित चार पर केस दर्ज

गदरपुर(उद संवाददाता)क्षेत्र के एक निकतवर्ती ग्राम पिपलिया में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले परिजनों की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर ससुराल पक्ष के चार लोगो पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को मनोरंजन बैरागी पुत्र अल्लाद बैरागी निवासी चितरंजनपुर अपने कई नाते रिश्तेदारों के साथ थाने पहुंचे और उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होने करीब दो साल पूर्व अपने सामर्थ के अनुसार अपनी पुत्री ममता बैरागी का विवाह ग्राम पिपलिया न 01 निवासी गोतम से किया था। उन्होने बताया कि विवाह के कुछ समय बाद तो सब ठीक ठाक रहा लेकिन जैसे जैसे समय बीता तो ससुराल वाले दहेज की मांग करते हुए पुत्री को प्रताड़ित करने लगे जबकि कई बार पंचायत भी हुई और गढमान्य लोगों के समझाने पर सुलह हो गई लेकिन फिर पुत्री के साथ आए दिन मारपीट करते हुए दहेज की मांग होने लगी। उन्होंने बताया कि गुरुवार की देर रात दामाद गौतम ने उन्हें फोन कर ममता की जिला चिकित्सालय में मौत होने की सूचना दी सूचना मिलने के बाद जब वह जिला अस्पताल पहुंचे तो उनकी पुत्री ममता के मुंह में से झाग निकल रहे थे और जहरीली दवा की दुर्गंध आ रही थी। जबकि उसकी मौत हो चुकी थी थाना अध्यक्ष जसबीर सिंह चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर ससुराल पक्ष के चार लोगो पर बीएनएस धारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम 3,दहेज प्रतिबंध अधिनियम 4 वह बीएनएस की धारा 80 (2) के तहत पति, सास, देवर और नंद पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस पर निकलेगी शोभायात्रा

किच्छा। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज के बैनर तले राजीव गांधी कम्युनिटी हॉल में आगामी महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस मनाने हेतु सरपंच राकेश कुमार वाल्मीकि की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 16 अक्टूबर को पुरानी गल्ला मंडी से शोभायात्रा निकालने व 17 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि पार्क में दीप प्रज्ज्वलित कर राजीव गांधी कम्युनिटी हॉल में भंडारा करने का निर्णय

लिया गया इस मौके पर सर्वसम्मति से कार्यक्रम का अध्यक्ष नितिन चरन बाल्मीकि को चुना गया इस मौके पर चौधरी ईशा चरन, कल्लू चरन, कैलाश वाल्मीकि, विनोद कुमार आकाश वाल्मीकि, माइकल, सूरज वाल्मीकि,विमल चरन, राजेश वाल्मीकि, राजेंद्र कुमार, अक्षय रावत,शिवम वाल्मीकि, अरुण वाल्मीकि, सचिन चरन, राकेश भारती,राजू, सुमित, संजय कुमार, निवास बाबू, राजीव सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

काशीपुर में लाल खून का काला खेल

ब्लड बैंक व पैथोलॉजी सेंटरों में प्रोफेशनल डोनर्स के जुड़े हैं तार क्षेत्र में इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ कर रहे हैं रक्त के सौदागर

काशीपुर(उद संवाददाता)। शहर में प्रोफेशनल डोनर्स का एक बड़ा रैकेट सक्रिय है। खून के खूनी खेल में गिरोह तथा उसके तंत्र सक्रिय है। गिरोह के गुर्गे ब्लड डोनेट करने वालों को कमियां गिनाकर डरा देते हैं। रक्तदान के नुकसान गिनाकर उन्हें गुमराह किया जाता है इससे डोनर डर कर भाग जाता है। ऐसे में ब्लड बैंक में खून के रहते हुए रोगियों को समय पर रक्त नहीं मिल पाता और इसी का पूरा फायदा तथा कथित ब्लड बैंक के संचालक उठा रहे हैं। दलाल मरीजों को विश्वास में लेकर प्रोफेशनल रक्तदाता से मनमानी रेट पर खून उपलब्ध करा देते हैं जिससे मोटी कमाई हो रही है। ओपीडी समाप्त होने के बाद से देर रात तक खून का यह खूनी खेल चल रहा है। कहने को राजकीय चिकित्सालय परिसर में ब्लड बैंक है लेकिन अक्सर रोगियों के तिमारदारों को खून देने के नाम पर हाथ खड़े कर दिए जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि ब्लड डोनेशन कैंप से एकत्रित किया गया खून विभिन्न पैथोलॉजी सेंटरों को मनमाने दामों पर बेचा जा रहा है। शहर की

अधिकांश पैथोलॉजी में खून का गंदा खेल खेला जा रहा है। पैथोलॉजी से सीधे प्राइवेट अस्पतालों में खून की सप्लाई दी जा रही है। खून सही है या संक्रमित मरीजों को यह भी पता नहीं चल पाता। पैथोलॉजी संचालक प्रोफेशनल ब्लड डोनरों के सीधे संपर्क में होते हैं। मुरादाबाद रोड पर डिजाइन सेंटर की समीप स्थित एक ब्लड बैंक इन दिनों इस तरह के अजब गजब कारनामों को लेकर खासा सुर्खियों में है। इस ब्लड बैंक के तार शहर के तमाम निजी अस्पतालों के अलावा राजकीय चिकित्सालय के ब्लड बैंक से सीधे तौर पर जुड़े बताए जा रहे हैं। ब्लड बैंक के गतिविधियों की बारीकी से जांच की जाए तो बड़ा खेल उजागर हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार एवं लापरवाहियों का कारनामा दिनों दिन तेजी से बढ़ता जा रहा है। ब्लड बैंक में घोर अनियमितताएं बरती जा रही है। मरीज को खून उपलब्ध कराए जाने के मामले में उन्हें भ्रमित करना तथा रूपयों की मांग करने की शिकायतें प्रकाश में आ रही है। ब्लड डोनेशन कैंप लगाकर पब्लिक से निशुल्क एकत्रित किए जाने वाले खून को ऊंचे दामों पर बेचने का गंदा खेल सुर्खियों में है। नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों से भी खून औने पौने दामों पर खरीदा जा रहा है। **क्रमशः**

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी डी। डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

सांप पकड़ने के बहाने दुकान में घुसकर युवक ने की मारपीट

गदरपुर(उद संवाददाता)थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सुखशांति नगर में सांप पकड़ने के बहाने दो अज्ञात युवकों ने बुजुर्ग दुकानदार के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया और नगदी लूटकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुक्खू प्रसाद पुत्र शिवनाथ निवासी सुख शांतिनगर में थाने में तहरीर देकर बताया कि उसके ससुर बाबूलाल पुत्र रामदयाल उम्र लगभग 90 वर्ष एक चाय की दुकान चलाते हैं जिसमें 20 सितंबर दोपहर लगभग 12:30 बजे दो अज्ञात युवक दुकान के पास आकर रुके और दुकानदार बाबूलाल को बताया कि आपकी दुकान के बराबर वाले कमरे में सांप है सांप की भनक लगते ही बाबूलाल उस अज्ञात युवक के साथ हाथ में डंडा लेकर अंदर कमरे में चले गए जहां अज्ञात युवक ने बाबूलाल के साथ मारपीट कर घायल कर दिया बाबूलाल बेहोश होकर वहीं गिर गए अज्ञात व्यक्ति ने बाबूलाल के पर्स में रखी हजारों रुपए की नगदी और दुकान के गल्ले की नगदी लूटकर भाग गए पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई वहीं थाना अध्यक्ष जसवीर सिंह चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 (1) व 309(4) के तहत केस दर्ज कर लिया है मामले की जांच की जा रही है।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाथ श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥
हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक
ब्राह्मणों द्वारा रुद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ
महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी
यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि
समस्याओं का समाधान
के लिये संपर्क करें :
आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133444

उत्तराखंड में हो रहा चहुंमुखी विकास : अजय टम्टा

केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा ने सरकार के सौ दिन पूर्ण होने पर दी विकास योजनाओं की जानकारी

नैनीताल(उद संवाददाता)। केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा ने शुक्रवार को सर्किट हाउस काठगोदाम में सरकार के 100 दिन पूर्ण होने पर प्रेस वार्ता कर केन्द्र सरकार द्वारा आमजनमानस के लिएजनकल्याणकारी योजनाओं के बारे विस्तृत जानकारी दी। श्री टम्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 100 दिन पूरे होने पर सामाजिक ढॉचे पूर्ण करने हेतु 100 दिनों मे 15 लाख करोड के निवेश पूर्ण कर लिए है। उन्होंने कहा अल्मोडा –बागेश्वर रोड में लगभग 4.50 करोड के पहले पैकेज का काम शुरू किया है साथ ही काठगोदाम से नैनीताल को टू लेन करने जा रहा है तथा ज्योलिकोट से भवाली कैची बाईपास होते हुए अल्मोडा से रानीखेत पाडूखोला होते हुए कर्णप्रयाग तक तथा अल्मोडा से पनार तक टू लेन किया जायेगा। वही धारचूला से गुंजी तक टू लेन लगभग उत्तराखण्ड की सभी एनएच की रोड का टू लेन किया जाना है।श्री टम्टा ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-09 के 58 किलोमीटर में एक लेन/इंटरमीडिएट लेन से दो लेन चौड़ीकरण का कार्य रू0 384.00 करोड़ की लागत से दिनांक 07. 09.2024 को अवार्ड कर दिया गया है। जिससे लिपुलेख से माउंट कैलाश के दर्शन सुगम हो जायेंगे । चीन बॉर्डर की सीमावर्ती कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा इसके अलावा वहा सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी बढावा मिलेगा और इससे रोजगार में भी वृद्धि होगी। कार्य के निर्माण की अवधि 2 वर्ष रखी गयी है। चारधाम परियोजना के अन्तर्गत केदारनाथ एवं यमुनोत्री को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़क निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) से दिनांक 12.07.2024 को हरी झंडी मिल गयी है। इससे यमुनोत्री में 25.08 किलोमीटर में 2-लेन चौड़ीकरण का कार्य कराया जा सकेगा तथा केदारनाथ में शेष 13 किलोमीटर को दो लेन में चौड़ा किया जायेगा। चारधाम परियोजना के अन्तर्गत चम्पावत बाईपास दो लेन पेव्ड शोल्डर सहिल 9.85 किलोमीटर लम्बाई में रु0 307.00 करोड लागत की डीपीआर प्रगति में है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा गठित ओवरसाइट समिति द्वारा दिनांक 10.07. 2024 को इस कार्य की स्वीकृति मिली है। इससे चम्पवात शहर में यातायात भीडभाड से राहत मिलेगी। कार्य की स्वीकृति का लक्ष्य दिसबर 2024 रखा गया है। चारधाम परियोजना के अन्तर्गत ऋषिकेश बाईपास चार लेन 10.88 किलोमीटर लम्बाई में रू0 1414 करोड लागत की डीपीआर प्रगति में है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ओवरसाइट समिति दवारा दिनांक 10.07.2024 को स्वीकृति मिली है। इससे ऋषिकेश शहर एव चारधाम यात्रियों को यातायात भीडभाड से राहत मिलेगी। कार्य की स्वीकृति का लक्ष्य दिसंबर 2004 रखा गया है। चारधाम मार्ग पर हो रहे भूस्खलन क्षेत्रों के उपचार कार्य अवार्ड किये जा चुके है। कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह से 18 माह रखी गई है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में, कुल 15 लाख करोड़ के निवेश के साथ कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए, जिनका उद्देश्य कृषि, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण को मजबूत करना है। पीएम किसान निधि के 17वी किश्त के तहत 9. 3 करोड़ से अधिक किसानों को 220,000 करोड़ वितरित किए गए, जिससे किसानों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। सत्र

2024-25 के लिए खरीफ फसलों के एम0एस0पी0 में बढ़ोतरी की गई है, जिससे किसानों को लगभग 2 लाख करोड़ मिलेंगे। इसके साथ ही, खेती को आधुनिक बनाने के लिए डिजिटल कृषि मिशन की योजना बनाई गई है।नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए इस साल के बजट में रू 3 लाख करोड़ आवंटित किए गए है। महिला उद्यमियों के लिए मुद्रा लोन की सीमा रू 10 लाख से बढ़ाकर रू 20 लाख कर दी गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाते हुए 75,000 नई मेडिकल सीटों की घोषणा की गई है और तीन प्रमुख कैंसर दवाओं पर कस्टम ड्यूटी माफ कर दी गई। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई मार्गो की कनेक्टिविटी को मजबूत करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रू0 3 लाख करोड़ की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सामाजिक कल्याण के लिए, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत 63,000 गांवों में आदिवासी समुदाय के रू0 5 करोड़ लोगों की सामाजिक- आर्थिक स्थिति को सुधारने का लक्ष्य रखा गया है। देशभर में 405 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में रू 1.23 लाख से अधिक छात्रों के दाखिले हुए है। प्रधानमंत्रीआवास योजना (पीएमएवाई) के तहत 5.36 लाख करोड़ की सहायता से 3 करोड से अधिक नए घरों का निर्माण किया जाएगा। कर-मुक्त आय की सीमा बढ़ाकर 7 लाख कर दी गई है, यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 50 प्रतिशत पेंशन की गारंटी दी गई है और वन रैंक वन पेंशन (ओआर ओपी) योजना का पुनरीक्षण किया गया है। 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना के तहत ६ लाख सालाना स्वास्थ्य कवर मिलेगा। पीएम सूर्य घर योजना के तहत 3. 5 लाख घरों में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपने 100 दिनों के कार्यकाल में 8 प्रमुख हाई-स्पीड कॉरिडोर और रिंग रोड परियोजनाओं की शुरुआत की है, जिनमें आगरा- ग्वालियर, खरगपुर- मोरेग्राम, धराड़ मेहसाणा-अहमदाबाद, अयोध्या रिंग रोड, पाथलगांव-गुमला, कानपुर रिंग रोड, गुवाहाटी रिंग रोड और नासिक फाटा-खेड एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं। इन परियोजनाओं से देश के विभिन्न हिस्सों में यात्रा समय में 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक की कमी आएगी, ट्रैफिक की क्षमता में वृद्धि होगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। साथ ही, इनका उद्देश्य कुल मिलाकर रू0 5 करोड़ से अधिक मानव-दिनों का रोजगार सृजन करना है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। इन परियोजनाओं से न केवल यात्रा को सुगम बनाया जाएगा, बल्कि औद्योगिक और वाणिज्यिक कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। सड़क परिवहन मंत्रालय की प्रमुख उपलब्धियों में रू0 5,000 करोड़ की लागत से 215 किमी की नई परियोजनाओं की स्वीकृति दी गई है, जिनमें कर्नाटक, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, और राजस्थान में बाईपास और सड़कों का विस्तार शामिल है। इसके अलावा, 219 किमी हाई-स्पीड कॉरिडोर संचालन के लिए तैयार हैं, जिससे देश में हाई-स्पीड कॉरिडोर की कुल लंबाई 2,357 किमी0 हो गई है। ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) के तहत बैरियर- फ्री टोलिंग के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। सडक दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना असम और चंडीगढ़ में पायलट रूप में लागू है। स्वचालित यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) को 428 किमी राष्ट्रीय राजमार्गो पर लागू किया गया है और अगले 5 वर्षों में इसे सभी हाई-स्पीड कॉरिडोर पर लागू करने की योजना है। ब्लैकस्पॉट्स में सुधार, वाहन स्क्रैपिंग नीति के तहत 46,000 वाहन स्क्रैप किए गए, और आरटीओ की 12 सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है, जिससे नागरिकों को सुविधाजनक और पारदर्शी सेवाएं मिल रही है।श्री टम्टा ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं के माध्यम से हम न केवल यात्रा के समय को कम कर रहे हैं, बल्कि सम्पूर्ण देश में रोजगार के लाखों अवसर भी प्रदान कर रहे है। यह सब प्रधानमंत्री जी के नए भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारे इन 100 दिनों की उपलब्धियां देश को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने की ओर बढ़ रही हैं।

बंगाली समाज को मिले अनुसूचित जाति का दर्जा : साहा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। बंगाली समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए। इसके लिए सभी को

एकजुट होकर कार्य करना होगा। यह बात गॉधी पार्क मे आयोजित राज्यव्यापी बंगाली समाज महासम्मेलन में बंगाली महासभा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार साहा ने अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि बंगाली समाज की बरसों पुरानी मांग पूर्ण अनुसूचित जाति का दर्जा जो कि पिछले दिनों राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार ने याचिकाकर्ता राजकुमार साहा प्रदेश अध्यक्ष बंगाली महासभा उत्तराखंड के आवेदन पर अपना ऐतिहासिक फैसला देते हुए दिनांक 14 फरवरी 2024 को उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के बंगाली समाज की 3 उपजातियां नमो शूद्र पौंड एवं मांझी जातियों को अनुसूचित जाति का पूर्ण दर्जा दिए जाने पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए भारत सरकार को शीघ्र ही उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जाति में शामिल करने के आदेश दिए गए थे। आज उसी मांग को पूर्ण कराने के लिए अपनी आवाज बुलंद करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से निवेदन किया कि बंगाली समाज की इस ज्वलंत मांग को पूर्ण कराने के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से जो आदेश भारत सरकार में लंबित है उस पर उत्तराखण्ड राज्य मजबूत पैरवी करते हुए बंगाली समाज की तीनों उपजातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने में उत्तराखंड राज्य की ओर से पैरवी भी करे और अनुसूचित जाति का पूर्ण दर्जा दिलाएं।श्री साह ने कहा पिछले दिनों बंगाली भाषा प्राथमिक पाठशाला के पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर बंगाली भाषा को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री श्री धामी की घोषणा भी है को शीघ्र ही बंगाली बाहुल्य क्षेत्र के प्राथमिक पाठशालाओं के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाये। इसके पश्चात् बंगाली समाज के उत्थान के लिए श्री हरिचांद गुरू चॉद अनुदान कोष जोकि पिछले कई वर्षों से बंद हो रखी है जिससे समाज के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त होने हेतु छात्रवृत्ति प्राप्त होती थी को शीघ्र ही उत्तराखण्ड सरकार पुन: सुचारू रूप से के चालू करने का निवेदन किया। उन्होंने रुद्रपुर मुख्यालय में बंगाली महासभा उत्तराखंड की मांग जो 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री श्री धामी से बांग्ला भवन के निर्माण किए जाने हेतु भूमि एवं अनुदान राशि स्वीकृत करने का निवेदन किया गया था है जिस पर14 अगस्त 2023 को मुख्यमंत्री ने रुद्रपुर में इसकी घोषणा भी की थी। को शीघ्र ही भूमि एवं भवन हेतु अनुदान राशि स्वीकृत करने का निवेदन किया।

दरोगा संदीप पिलखवाल को किया जाए सस्पेंड,मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

काशीपुर(उद संवाददाता)। रुद्रपुर के आदर्श कॉलोनी पुलिस चौकी में तैनात उप निरीक्षक संदीप पिलखवाल के द्वारा सिख युवक से किए गए मारपीट का मामला यहां थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालांकि इस मामले में आरोपी चौकी इंचार्ज संदीप पिलख्वाल को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा लाइन हाजिर कर दिया गया लेकिन सिख समाज कार्यवाही से संतुष्ट नहीं है। इसी मामले को लेकर आज काशीपुर में गुरुद्वारा सिंह सभा से जुड़े पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज कर आरोपी उप निरीक्षक के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही करते हुए सख्त से सख्त सजा की मांग की। सीएम को भेजे ज्ञापन में गुरुद्वारा सिंह सभा से जुड़े पदाधिकारी ने बताया कि आदर्श कॉलोनी चौकी इंचार्ज संदीप पिलख्वाल ने चेकिंग के दौरान विगत दिनों जसदीप सिंह नामक एक सिख युवक के साथ गाली गलौज मारपीट करते हुए उसकी धार्मिक भावनाओं को भी आहत किया। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में बताया गया कि संदीप पिलख्वाल नामक आरोपी दरोगा इससे पूर्व भी अपने अजब गजब कारनामों के कारण लगातार विवादों में रहा है। इस घटना को लेकर सिख समाज में बेहद आक्रोश है। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने वालों में गुरविंदर सिंह कोहली, महेंद्र प्रधान, मलकीत सिंह, साहब सिंह, गुरबख्श सिंह बग्गा, गुरुताज सिंह भुल्लर, आलमगीर, हनी सिंह, जोगिंदर व सर्वजीत आदि दर्जनों शामिल रहे।

वार्डों में गैस पाईप लाईन से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने जनसंवाद एवं जनसमस्या समाधान शिविर मे सुनी क्षेत्रवासियों की समस्यायें

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में नगर निगम द्वारा आयोजित किए जा रहे शिविरों के क्रम में आज हल्द्वानी- काठगोदाम वार्ड संख्या 20 से वार्ड संख्या 30 तक एच. एन इन्टर कालेज रामपुर रोड हल्द्वानी में आयोजित जनसंवाद एवं जनसमस्या समाधान शिविर मे लोगों द्वारा विद्युत, सडक, पानी, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, स्ट्रीट लाईट,आधार कार्ड तथा राशन कार्ड, अतिक्रमण सम्बन्धित शिकायतें आई जिनका सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ मौके पर समस्याओं का त्वरित निदान किया गया। जनसंवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी वंदना ने कहा कि इस प्रकार के कैम्प अन्य वार्डो में भी लगाये जायेंगे ताकि लोगों की समस्या का समाधान मौके पर हो और आमजनता को कार्यालयों में भटकना ना पडे। जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिकांश वार्डो के लोगो द्वारा बताया गया कि एचपीसीएल द्वारा गैस पाईप लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा है गैस पाईप लाईन काफी माह पूर्व बिछा दी गई है लेकिन सडक की मरम्मत नही हुई जिससे आम वार्ड वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रह है। जिलाधिकारी ने एचपीसीएल के अधिकारियों को जनसुनवाई में निर्देश दिये कि शीघ्र एक बैठक नगर निगम के साथ की जाए जिन सडकों पर गैस पाईप लाईन बिछा दी गई है उन सडकों को प्राथमिकता से मानकों के अनुसार दुरूस्त करना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियो को निर्देश दिये कि शहर के जिन वार्डो में एचपीसीएल के द्वारा सडक मरम्मत नही की गई है उन वार्डो में सडक मरम्मत से पूर्व प्रस्तावित सीवर लाईन बिछाने आदि का कार्य पूर्ण कर लिया जाए ताकि सडक बनने के उपरान्त सीवर लाईन हेतु सडक ना खोदी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि डेंगू रोग पर नियंत्रण हेतु लार्वा निरोधात्मक कार्यवाही (सोर्स रिडक्शन) के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से टीमें बनाकर क्षेत्रवार डेंगू निरोधक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें साथ ही उन्हांने कहा व्यवस्थित तरीके से क्षेत्र/वार्डवार फॉगिंग करना भी सुनिश्चित करें। इसके लिए लोगों को भी जागरूक किया जाए तथा इस कार्य में स्थानीय लोगों का भी सहयोग लिया जाए ताकि हम डेंगू बीमारी से होने वाली किसी असमान्य स्थिति को रोक सकते हैं।जिलाधिकारी ने जनसंवाद कार्यक्रम में कहा कि जनपद में जो लोग मजदूरी के द्वारा अपना जीवन यापन करते है श्रम विभाग द्वारा उनका सत्यापन कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु हैल्थ कैम्प लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा रोस्टवार हैल्थ कैम्प लगाया जाय ताकि सभी लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा सके। जनसुनवाई में लक्ष्मी शिशु मन्दिर बरेली रोड हल्द्वानी निवासी त्रिभूवन बाली ने बताया कि लक्ष्मी शिशु के आसपास आबादी क्षेत्र में लोगों को ठेले में शराब बेची जाती है। बसन्ती देवी आंनद विहार निवासी ने बताया कि सिचाई विभाग द्वार नहर कवरिंग के दौरान उनके भवन के सोख्ता पिट को तोड दिया गया है जिससे उनके भवन के अन्दर पानी आ जाता है। जिस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को शीघ्र सोख्त पिट की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। जनसुनवाई मे चिन्तामणी तिवारी ने दाखिल खारिज कराने,मोहन राम निवासी गुसाई नगर में पानी की समस्या, प्रकाश तिवारी ने विद्युत बिल में त्रुटि होने, रोहित कुमार निवासी गांधीनगर में पेयजल, विद्युत, खाद्य आदि की समस्या से अवगत कराया तथा गिरीश रौतेला ने हैल्थ कैम्प लगाने,मनोज शर्मा निवासी पिनसेला भीमताल ने सडक से मलवा हटाने, अनीता गुप्ता ने बीपीएल कार्ड बनवाने का अनुरोध किया। जनसंवाद कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा,तुषार सैनी, विजयनाथ शुक्ल, तहसीलदार सचिन कुमार के साथ ही निवर्तमान मेयर डा. जोगेन्दर पाल सिंह रौतेला, हेमंत बगडवाल तथा क्षेत्रवासी मौजूद थे।

जनसांख्यिकी बदलाव पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाये जायें: उदय राज

डीएम ने दिए महिला सुरक्षा हेतु जिला स्तर पर एसओपी तैयार करने के निर्देश

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जनपद में राजस्व, वन, नजूल, सड़क किनारों भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं कब्जे पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाने के निर्देश जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की भूमि पर अवैध कब्जे व बसावट से हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव पर पैनी नजर रखते हुए तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में अवैध अतिक्रमण, कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था, जननांकीय बदलाव एवं महिला सुरक्षा की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि जमीनों में अवैध कब्जे एवं जमीनों की हेरा-फेरी करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समय समय पर न्यायालयों व शासन के निर्देशों का अनुपालन सख्ती से कराया जाएगा। उन्होंने वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण को सख्ताई से रोकने के निर्देश वनाधिकारियों को दिए। जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस व प्रशासन संयुक्त रूप से त्वरित कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। महिलाओं की सुरक्षा हेतु विशेष प्रयास की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने परगना स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में पुलिस उपाधीक्षक सहित तीन महिला अधिकारियों को रखते हुए समिति गठित करने के निर्देश दिए। गठित समिति समय समय पर अपने क्षेत्र में कार्यालयों, उद्योगों एवं निजी संस्थानों का भ्रमण कर महिला कर्मचारियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं से वाकिफ होंगे तथा समस्याओं का निराकरण करते हुए सूचनाएं जिला मुख्यालय स्तर पर भी देना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राईवेट औद्योगिक आस्थानों, चिकित्सालयों व निजी संस्थानों में भी महिला सुरक्षा हेतु जिला स्तर पर एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, एडीएम पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, एसपी सिटी मनोज कत्याल, डॉ. पंकज शुक्ल, एसडीएम कौस्तुभ मिश्र, ओसी कले. गौरव पांडे, डॉ. अमृता शर्मा, तहसीलदार दिनेश कुटोला, गिरीश जोशी उपस्थित थे तथा प्रभागीय वनाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

दो लोगों के जीवन को रोशन करेंगी परमजीत कौर की आंखे

गदरपुर(उद संवाददाता)। समाजसेवी रविन्द्र सिंह बजाज की माता श्री मति परमजीत कौर पत्नी श्री सरदार जगतार सिंह निवासी सरस्वती कालोनी गदरपुर का आकस्मिक निधन हो गया। दुख की घड़ी में उनके पुत्र रविन्द्र सिंह बजाज द्वारा माता जी की इच्छानुसार नेत्रदान हेतु सोचो डिफरेंट संस्था से संपर्क किया। तत्पश्चात महाराजा अग्रसेन ग्लोबल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित सी आर मित्तल नेत्रदान केंद्र, रुद्रपुर की टीम के द्वारा केंद्र निदेशक डॉक्टर एल एम उप्रेती की देखरेख में श्री मनीष रावत नेत्रदान टेक्नीशियन एवं श्री सत्येंद्र मिश्रा द्वारा नेत्रदान कराया गया। इस अवसर पर श्री अंश दीप सिंह, मनमीत सिंह, तरनजीत सिंह हैप्पी, श्री तजेंद्र सिंह, श्रीमती जगजीत कौर ललित पांडे, आदि परिजन उपस्थित रहे। गदरपुर नगर के दो युवा जिन्होंने नेत्रदान के क्षेत्र में लोगों को जारूक करने का बीड़ा उठाया और एक विकास भुसरी जो पूर्व में फरीदाबाद में आईसीआईसीआई बैंक में मैनेजर थे । पद छोड़ समाज सेवा के जुनून को लेकर अपने ग्रह क्षेत्र में आए वही दुसरी और नगर के ब्लड मैन के नाम से प्रसिद्ध युवा समाज सेवी संदीप चावला हैं । दोनो ही बचपन के दोस्त हैं और दोनों ने मिलकर एक संस्था बनाई जिनका नाम रखा सोचो डिफरेंट। जिसका मकसद समाज को नेत्रदान के प्रति जागरूक करना है। वह क्षेत्र में जीते जी रक्तदान मरणोपरांत नेत्रदान की मुहिम को साकार करने में लगे हुए है।

गौला पुल का शीघ्र निर्माण कराने की मांग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कई शहरों को जोड़ने वाले तथा सबसे ज्यादा आवाजाही वाले गौलापुल का शीघ्र निर्माण कार्य कराने की मांग को लेकर एकता जनसेवा फाउंडेशन एंटी करप्शन सेल्स के प्रदेश अध्यक्ष शिवम सिंह ठाकुर के नेतृत्व में शिष्ट मंडल ने एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को प्रेषित किया। ज्ञापन में शिवम सिंह ठाकुर ने कहा कि गौला पुल का संपर्क मार्ग फिर से ध्वस्त हो गया है जिससे हल्द्वानी में यातायात पूरी तरह से बाधित है। 14 सितंबर की सुबह पुल का 15 फीट लंबा और 20 फीट चौड़ा हिस्सा पानी में बह गया था। उन्होंने कहा कि यह घटना दूसरी बार है जब 11 साल में पुल का संपर्क मार्ग टूटा है। रेलवे क्रासिंग से पुल तक पहुंचने के लिए 100 मीटर से लंबी सड़क है। पूर्व में 2008 में गौला पुल पूरी तरह ढह गया था। सरकार ने 19.77 करोड़ रुपये से एक बार पुन: पुल का कार्य शुरू करवाया था। 2013 में पुल पूरी तरह तैयार हुआ। इसके बाद अक्टूबर 2021 और अब 14 सितंबर को इसका संपर्क मार्ग बह गया। ज्ञापन में सरकार से मांग की गई है कि शीघ्र गौलापुल का मजबूत तरीके से निर्माण कार्य करवाया जायें जिससे आवाजाही सुचारू रूप से चल सके। वह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम समेत कई शहरों वह गांवों को भी जोड़ता है। कार्य न होने पर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन देने वालों में लक्ष्मी नारायण, शशि गुप्ता, लक्ष्मी देवी, प्रमोद अग्निहोत्री, जितेन्द्र सागर, सैयामा सिद्दीकी, मंजू शाह, बेबी गोयल, बर्खा शर्मा, प्रकाश आर्या समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

विश्वकर्मा प्रशिक्षण योजना के प्रमाण पत्र वितरित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा प्रशिक्षण योजना की प्रथम वर्षगांठ समारोह वर्धा, महाराष्ट्र में आयोजित किया और एनएसटीआई हल्द्वानी को इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ हल्द्वानी के निवर्तमान महापौर डॉ. जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।डीआरडीओ के वैज्ञानिक डॉ. अनफल अर्श ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए और उन्हें भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रशिक्षणार्थी इस योजना से बेहद संतुष्ट नजर आए। एनएसटीआई हल्द्वानी के प्रधानाचार्य भगत सिंह ने भी प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि यह संस्थान युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा प्रशिक्षण योजना के तहत संस्थान ने लगभग 120 युवाओं को प्रशिक्षित किया है।कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षण अधिकारी राकेश कुमार गोस्वामी ने किया।इस अवसर पर प्रशिक्षण अधिकारी सुधीर सिंह, अपर लिपिक मदन सिंह, कनिष्ठ लिपिक छाया यादव आदि उपस्थित रहे।

व्यापारी एसोसिएशन ने किया लोको पायलट को सम्मानित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मटर गली व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष दलजीत सिंह दल्ली व महामन्त्री अतुल गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों ने काठगोदाम रेलवे स्टेशन में लोको पायलट मुख्य कार्यालय जाकर गौरव सम्मान पत्र सौंपा। जिसमें दून नैनी जनशताब्दी ट्रेन संख्या 12091 को हादसे से बचाने वाले राजेश कुमार गौड़ लोको पायलट पूर्वोत्तर रेलवे एव अमित कुमार यादव सहायक लोको पायलट पूर्वोत्तर रेलवे के पत्र को मुख्य क्रु नियंत्रण मनोज कुमार, कार्यालय अधीक्षिका प्रमिला नयाल, क्रु नियंत्रन अमरेंद्र कुमार, सीएमएस रितेश बिष्ट द्वारा दिया। जिसमें दून नैनी जन शताब्दी ट्रेन को लोको पायलट द्वारा अपनी सूझबूझ से ट्रेन में सवार यात्री परिवार व रेल को बड़े नुक्सान होने से बचाया गया जिसमें लगभग 600 यात्री परिवार, रेलवे कर्मचारी व जीआरपी रेलवे पुलिस बल आदि सभी मौजूद रहे। लोको पायलट द्वारा जागरुकता के साथ सराहनी कार्य से तीन में सवार सभी उत्तराखंडवासी कुमाऊं के लोग लोगों की जान माल की सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने कार्य को किया। व्यापारियों द्वारा गौरव सम्मान पत्र के साथ अभिनंदन स्वागत किया गया।अध्यक्ष दलजीत सिंह दल्ली व महामंत्री अतुल गुप्ता ने कहा जिस प्रकार से राजेश कुमार गौड़ लोको पायलट पूर्वोत्तर रेलवे व सहायक अमित कुमार यादव सहायक लोको पायलट द्वारा अपनी सुझवझ के साथ जान-माल की सुरक्षा की। इस मौके पर प्रेम कुमार चौधरी, मोइन बाबा, मनीष वर्मा, लक्ष्मी नारायण, आन सिंह पडियार, अजय गुप्ता, संदीप सक्सेना, जाकिर हुसैन सिद्दीकी, मुकुल गुप्ता, आरिफ हुसैन, परविंदर सिंह नागपाल, त्रिलोक गुप्ता, रोहित गौड़, विनोद अग्रवाल, नासिर हुसैन, सौरभ सिंघल आदि व्यापारी मौजूद रहे।

स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जनपद में नशे की ब्रिकी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत बनभूलपुरा थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा चौकिंग के दौरान गफूर बस्ती में नेपाली बस्ती के अन्दर राजू नेपाली रोड पर संदिग्ध रूप से घूम रहे एक व्यक्ति को दबोच लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता मुसम्मी जुबेद पुत्र पुत्तन खान निवासी गफूर बस्ती वार्ड 24 थाना बनभूलपुरा बताया।तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 10.49 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने बरामद स्मैक कब्जे में लेकर नशा तस्कर मुस्मई जुबेद को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।पुलिस टीम में थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी, उनि निधि शर्मा, का.भूपेन्द्र जेष्ठा, दिलशाद अहमद व मो. यासीन शामिल थे।

बालाजीपुरम में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारम्भ

किच्छा(उद संवाददता)। बालाजीपुरम वार्ड नं० 3 में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ कलश यात्रा के आयोजन से हुआ। कलश यात्रा बालाजी मंदिर से प्रारंभ हुई। जिसमें सैकड़ों महिलाएं सम्मिलित हुईं। कलश यात्रा का शुभारम्भ वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक आचार्य योगेशानंद जी महाराज एवं भाजपा नेता एवं समाजसेवी संजीव कुमार सिंह ने पूजा अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक प्रायोजनों से समाज को धर्म और संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी क्षेत्र वासियों से कथा ज्ञान यज्ञ में शामिल होने का आह्वान करते हुए बताया कि शुक्रवार 20 सितम्बर से श्रीमद भागवत कथा की अमृतमयी वर्षा प्रारम्भ होकर 27 सितम्बर को पूर्ण आहूति एवं प्रसाद वितरण के साथ समाप्त होगी। इस अवसर पर नीरज देवी, मधु अग्रवाल, संगीता देवी, शीला देवी, शशि शर्मा, प्रीती शर्मा, सुशीला देवी, पूनम देवी, सीमा देवी, शिखा देवी, ब्रह्मानन्द, प्रसून अग्रवाल, संजय, सन्नी अग्रवाल, प्रभात अग्रवाल, जितेंद्र सिंह, संजय यादव, नवीन सिंह, रीना चौहान, साधना गंगवार, श्वेता सिंह, पुष्पा देवी, मंजू गंगवार, अनीता उपाध्याय, सरिता गंगवार, रीना चौहान, उर्मिला देवी, कुसुम गंगवार, ठाकुर दानवीर सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

खालिस्तानी अलगाववादी

खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोप में एक अमेरिकी अदालत के भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रॉ प्रमुख के खिलाफ, जारी अदालती फरमान को लेकर स्वाभाविक ही चर्चा तेज हो गई है। यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हो गई है, जब अगले हफ्ते प्रधानमंत्री क्वाड बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका जाने वाले हैं। पन्नू की हत्या की साजिश का पर्दाफाश खुद अमेरिकी सुरक्षा एजंसी ने किया था। उसने एक भारतीय व्यवसायी को गिरफ्तार किया था, जिसने कबूल किया कि एक बड़े भारतीय अधिकारी के कहने पर उसने पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। इसे लेकर वहां के अखबारों में भी खूब चर्चा रही। उसी आधार पर पन्नू ने अमेरिका की एक जिला अदालत में मुकदमा दायर किया, जिसके आधार पर यह अदालती फरमान जारी हुआ है। हालांकि भारत सरकार ने पन्नू के मुकदमे को निराधार बताया है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजंसी का हाथ बताया था। उस संबंध में भारत सरकार लगातार कनाडा सरकार से सबूत मांगती रही, मगर वह दे पाने में अक्षम ही साबित हुई। कुछ लोगों का मानना है कि अमेरिकी अदालत के फरमान के बाद दोनों देशों के रिश्तों में कुछ खटास पैदा हो सकती है, मगर इसका कोई आधार नहीं है। अदालतों की अपनी एक प्रक्रिया होती है और अमेरिकी जिला अदालत ने उसका पालन किया है। इससे अमेरिका और भारत के रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। छिपी बात नहीं है कि पन्नू को भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित कर रखा है। वह प्रकट रूप से खालिस्तान समर्थकों को उकसाता और मदद मुहैया कराता रहता है। वह अमेरिका और कनाडा दोनों देशों का नागरिक है। भारत सरकार उसके खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करती रही है, मगर कनाडा सरकार ने कभी उस पर गंभीरता नहीं दिखाई। जब एक संदिग्ध भारतीय नागरिक को अमेरिकी खुफिया एजंसी ने गिरफ्तार किया और उससे पता चला कि पन्नू की हत्या की साजिश रची गई है, तो पन्नू को खालिस्तान समर्थकों को भारत सरकार के खिलाफ भड़काने और उनकी सहानुभूति हासिल करने का मौका मिल गया। जाहिर है, इस बहाने वह अपने पक्ष में सहानुभूति लहर बनाने और यह साबित करने का प्रयास कर रहा है कि भारत सरकार खालिस्तान समर्थकों के विरुद्ध साजिशें रच रही है। कोई भी देश और वहां की अदालत किसी भी आतंकी गतिविधि में शामिल व्यक्ति के किसी दूसरी सरकार के विरुद्ध अनर्गल आरोप को प्रोत्साहित नहीं कर सकती। चूंकि अमेरिकी अदालत के सामने पन्नू के आरोपों के पीछे कुछ आधार हो सकते हैं, इसलिए अदालत ने यह फरमान जारी कर दिया। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि इससे पन्नू का पक्ष मजबूत हो गया। केवल किसी आरोपी के कबूलनामे के आधार पर कोई मामला सच साबित नहीं हो जाता। ऐसे मामलों में उच्चस्तरीय जांचें महत्त्वपूर्ण होती हैं। जब अमेरिकी खुफिया और सुरक्षा एजंसियां इस मामले में कोई कदम नहीं उठा रहीं, तो पन्नू के आरोप का बहुत कोई अर्थ नहीं रह जाता। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के समय भी निश्चय ही इस मसले पर वहां के राष्ट्रपति के साथ चर्चा होगी। यह बात गहराई से रेखांकित होनी चाहिए कि आतंकी गतिविधियों में संलिप्त और अमेरिका तथा कनाडा जैसी जगहों पर पनाह पाए पन्नू जैसे लोगों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

नक्सलवाद से निर्णायक लड़ाई

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का संगठन अब सिमटता दिखाई दे रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। गृहमंत्री अमित शाह ने रायगढ़ में कहा है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण में है और इसे खत्म करने के लिए कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। केंद्र नक्सलवादी वामपंथी उग्रवाद का खात्मा करने के लिए कृत संकल्पित है। नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाए, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए है। इस नाते इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004-14 में नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थी, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004-14 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई है और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थी, लेकिन नक्सालियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं और इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाका हैं, जिससे ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों, छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ है कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में नक्सली नेता हिडमा का बोलबाला रहा है। वह सरकार और सुरक्षाबलों को लगातार चुनौती दे रहा है, जबकि राज्य एवं केंद्र सरकार के पास मोदी सरकार से पहले रणनीति और दृढ़ इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही थी। तथाकथित शहरी माओवादी बौद्धिकों के दबाव में भी मनमोहन सिंह सरकार रही। इस कारण भी इस समस्या का हल दूर की कौड़ी बना रहा। यही वजह थी कि नक्सली क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती थी तो नक्सली उसमें रोड़ा अटका देते थे। नक्सली समस्या से निपटने के लिए राज्य व केंद्र सरकार दावा कर रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि छत्तीसगढ़ सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही हैं, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है? क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले हैं। बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे हैं। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेन्द्र कर्मा से दुषमनी ठन गई। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा अब फिर सत्ता में है। उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है, जो अब इनके सफाए के अंतिम चरण में है। व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पश्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन शुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक कुछ साम्यवादी नेता, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था। लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल उद्देश्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्रप्रदेश और अविभाजित मध्य-प्रदेश के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेश शामिल थे। किंतु विषमता और शोषण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रक्रिया ने देश में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया था, जो पशुपति (नेपाल) से तिरुपति (आंध्रप्रदेश) तक जाता है। इस पूरे क्षेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसरा हुआ था। जब किसी भी किस्म का चरमपंथ राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बन जाए तो जरूरी हो जाता है, कि उसे नेस्तनाबूद करने के लिए जो भी कारगर उपाय उचित हों, उनका उपयोग किया जाए? हालांकि देश में तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा है, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती थी। लेकिन अब इस चरमपंथ पर अंकुश लगता जा रहा है।

-प्रमोद भार्गव, वरिष्ठ पत्रकार

पूंजी निवेश के सभी प्रोजेक्ट की डीपीआर केंद्र को भेजने के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने पूंजी निवेश 2024-25 के लिए राज्य की विशेष सहायता योजना की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को राज्य की विशेष सहायता योजना के तहत पूंजी निवेश के सभी प्रोजेक्ट की डीपीआर व प्रस्तावों पर तत्परता से कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने पूंजी निवेश 2024-25 के लिए राज्य की विशेष सहायता योजना के तहत महिला एवं बाल कल्याण विभाग को विभिन्न जनपदों में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल निर्माण की डीपीआर 30 सितम्बर, पर्यटन विभाग को

प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों के विकास से संबंधित लगभग ६250 करोड़ के प्रोजेक्ट के प्रस्ताव 15 अक्टूबर, परिवहन विभाग को लगभग घ100 करोड़ के पुराने वाहनों के स्क्रैपिंग प्रस्ताव दिसम्बर तक प्रेषित करने की डेडलाइन दी है। मुख्य सचिव ने उद्योग एवं आवास विभाग को लगभग ६100 करोड़ के औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने के प्रस्ताव 31 अक्टूबर, राजस्व एवं कृषि विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि रिकॉर्ड सम्बन्धित सुधारों व आधुनिकीकरण से सम्बन्धित लगभग घ505 करोड़ के प्रस्ताव जल्द से जल्द भारत सरकार को प्रेषित करने की डेडलाइन दी है। बैठक में सचिव अपर मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन, सचिव श्री दिलीप जावलकर, श्री एस एन पाण्डेय, अपर सचिव श्रीमती पूजा गर्ब्याल, श्री नितिन भदौरिया व श्री विजय जोगदण्डे सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पितृपक्ष (श्राद्ध) महालया या कनागत

भादो की पूर्णिमा के दूसरे दिन से प्रारंभ हो जाता है। आशिवन अथार्त क्वार मास का कृष्ण पक्ष आशिवन कृष्ण प्रतिपदा से अमावस्या के दिन

तक ये पंद्रह दिन हमारे यहाँ पितृपक्ष अथार्त श्राद्धों के दिन अथवा कनागत कहलाते हैं। इस पूरे पक्ष में कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है और न ही नये वस्त्र बनवाए अथवा पहने जाते हैं। अपने मृतक पूर्वजों को याद करने और उनकी मृत्यु की तिथि को उनका श्राद्ध करने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। मृतक माता-पिता, दादा-दादी और अन्य परिजनों के श्राद्ध उस तिथि को किये जाते हैं, जिस तिथि को मृतक का दाह-संस्कार हुआ था। वर्ष के किसी भी मास के किसी भी पक्ष में मृत्यु हुई हो, श्राद्ध इन पंद्रह दिनों में ही उस तिथि को किया जाता है। मृतक हेतु ब्राह्मण को भोजन कराने के बाद उन्हें श्राद्ध और सामर्थ्य के अनुसार वस्त्र तथा दक्षिणा दी जाती है तो महिला के लिए किसी ब्राह्मणी को भोजन कराकर साड़ी आदि वस्त्र दिया जाता है। प्रायः घर का मुखिया या सबसे बड़ा पुरुष ही करता है यह सब कार्य। ब्रह्मपुराण में लिखा है की आशिवन मास के कृष्ण पक्ष में यमराज यमपुरी से पितरों को मुक्त कर देते हैं और वे अपनी संतानों तथा वंशजों से पिंड दान लेने के लिए भूलोक में आ जाते हैं। सूर्य के कन्या राशि में आने पर वे यहाँ आते हैं और अमावस्या के दिन तक घर के द्वार पर ठहरते हैं। सूर्य के कन्या राशि में आने के कारण ही आशिवन मास के कृष्ण पक्ष का नाम कनागत अथार्त कन्यागत पड़ गया है। जिन लोगों के माता-पिता स्वर्गवासी हो गए हैं उन्हें चाहिये कि वे इस पक्ष में प्रातः काल उठकर किसी नदी में स्नान करके तिल, अक्षत और कुश हाथ में लेकर सूर्य के सामने खड़े होकर वैदिक मन्त्रों द्वारा पितरों की जलांजलि दें। यह कार्य पितृ-पक्ष में प्रतिदिन होना चाहिये। पितरों की मृत्यु-तिथि को श्राद्ध करके ब्राह्मणों को भोजन करा,वस्त्र और दक्षिणा देनी चाहिये। इस पक्ष में गया में श्राद्ध करने का विशेष महत्व है। श्राद्ध पक्ष अमावस्या को पूर्ण होता है। परन्तु श्राद्धकर्म एवं तांत्रिक दृष्टिकोण से इस अमावस्या का बहुत अधिक महत्व है इस अमावस्या का। भूले-भटके पितरों की तृप्ति के लिए ब्राह्मण को इस दिन भोजन कराया जाता है। यदि किसी कारणवश किसी तिथि विशेष को श्राद्धकर्म नहीं हो पाता तब उन पितरों का श्राद्ध भी इस दिन किया जा सकता है। इस अमावस्या के दूसरे दिन से शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो जाते हैं। यही कारण है कि माँ दुर्गा के प्रचंड रूपों के आराधक और तन्त्र साधना की सिद्धि करने वाले साधक इस रात्रि में विशेष साधना भी करते हैं। यही कारण है कि आशिवन मास की इस अमावस्या को महालया और पितृ- विसर्जन अमावस्या भी कहा जाता है।

प्रस्तुति- नरेश कुमार सेठ

त्यौहारों के मद्देनजर पुलिसकर्मी बरते चौकसी : पिंचा

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पिंचा ने जनपद के अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित की मासिक अपराध समीक्षा बैठक में आगामी त्यौहारों को लेकर पुलिस बल को हर पल सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद के संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे चुनौतियों का सामना एकजुट होकर करें। एसएसपी ने कहा कि किसी कार्य को प्रभावी और कुशल तरीके से पूर्ण करने के लिये टीम के प्रत्येक सदस्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है । कोतवाली अल्मोड़ा के कांस्टेबल खुशाल राम को पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही विगत हेतु निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नये आपराधिक कानूनों को भली भाँति समझकर कार्रवाई करें। आगामी त्यौराहों व जनमानस मे सुरक्षा भाव को लेकर जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को भीड़-भाड़ वालो इलाकों में सायंकालीन प्रभावी पैदल गस्त/पिकेट लगाने हेतु निर्देश दिये। समस्त थाना क्षेत्रों के स्कूल, शिकायतों का निस्तारण, लम्बित माल मुकदमाती के निस्तारण, समन/नोटिस व वारंटों की शत प्रतिशत तामीली करने के निर्देश दिये गये।बैठक में एसएसपी ने जनजागरुकता, नाबालिगों ,महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। थाना स्तर पर टीम बनाकर अभियोगों में बिंदेश्वरी प्रसाद टम्टा द्वारा विवेचना के दौरान की जाने वाली कार्यवाहियों व नवीन कानूनों से विवेचनात्मक कार्यवाहियों में हुए बदलावों के संबन्ध में बारीकी से जानकारी दी गई। बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन हेतु लगातार सत्यापन चलाने, साईबर शिकायतों को गंभीरता से लेकर साईबर सेल से भतरौजखान, कानि दीवान सिंह बोरा एसओजी अल्मोड़ा,कानि. हेमन्त कुमार पुलिस लाईन अल्मोड़ा,फायर सर्विस चालक योगेश शर्मा फायर सर्विस अल्मोड़ा शामिल हैं। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा विमल प्रसाद, सीओ संचार राजीव कुमार टम्टा, निरीक्षक नारायण सिंह, प्रभारी

लगाने और सभी प्रभारियों को थाना क्षेत्रों के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त करने के दिये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विगत दिनों मे जनपद पुलिस के सामने आयी चुनौतियों व आपदा के समय एक टीम के रुप में कार्य किया गया,वह सराहनीय है। हम सब इसी प्रकार एक टीम के रुप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए आने वाली सभी माह में सराहनीय कार्य करने वाले 10 अधिकारी कर्मचारी भी सम्मानित किये गये। एसएसपी देवेन्द्र पींचा ने सभी अधिकर्मगणों का सम्मेलन लेकर बतायी गयी समस्याओं का निराकरण हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिये। उन्होंने जनपद के समस्त थानों में दर्ज अपराधों, अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही एवं अपराधों के निस्तारण,लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा, शीघ्र निस्तारण कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थानो के खुलने व बंद होने के समय पुलिस मोबाईल पार्टियों को सतर्क दृष्टि रखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ करने हेतु निर्देशित किया । समस्त थाना प्रभारी एसओजी को नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स नीति अपनाकर मादक पदार्थों की बरामदगी व नशा तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। लम्बित ऑनलाईन ऑफलाईन वांछित पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए । सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने व यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिये अधीनस्थों के साथ विस्तार से मंथन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये । उन्होंने कहा कि नशे में वाहन चलान `यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करें। प्रभारी ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी आवश्यक सहयोग प्राप्त करते हुए अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने को कहा। सम्मानित हांने वालों में उनि मदन मोहन जोशी थानाध्यक्ष सल्ट, अपर उनि मोहन चन्द्रा थाना सल्ट, अपर उनि लोमेश कुमार थाना सोमेश्वर, हेकानि. अभिसूचना गणेश देवली, स्थानीय अभिसूचना यूनिट भतरौजखान हेड कांस्टेबल, नरेन्द्र यादव थाना लमगड़ा, कानि नीरज पाल थाना शिकायत/सूचना/ सम्मन सैल, निरीक्षक एलआईयू मनोज भारद्वाज, प्रभारी निरीक्षक अशोक धनकड़ कोतवाली रानीखेत, निरीक्षक पुलिस दूरसंचार उमाशंकर पाण्डे, निरीक्षक यातायात दरबान सिंह मेहता, कंपनी कंमाडर, एसडीआरएफ, पीआरओ प्रमोद पाठक सहित जनपद के सभी थानाध्यक्ष, लाईन सूबेदार एवं समस्त शाखा प्रभारी व अन्य कर्मचारी गण मौजूद रहे।

डीएम ने दिए जनपद की कानून व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था, राजस्व/वसूली से सम्बन्धी कार्यों आदि की समीक्षा बैठक आज जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित की गई। स्टाफ बैठक में जिलाधिकारी ने अधिनस्थ अधिकारियों को जनपद की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किए जाने के लिए जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं अन्य राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि जब भी भारी वर्षा या अन्य किसी कारण से आपदा की परिस्थितियां बनती हैं तो ऐसी परिस्थिति में कतई भी कोताही न बड़ी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा संबंधी किसी भी घटना में त्वरित कार्यवाही की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक घटना में संबंधित अधिकारी/कर्मचारी मौके पर जरूर पहुंचे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आपदा संबंधी राहत राशि को वितरित करने में भी शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय की कमी न रहे। बल्कि आपसी समन्वय बनाकर कार्यों को किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद

में अवैध खनन, अवैध तस्करी, नशीले पदार्थों की तस्करी, ओवर लोडिंग जैसे सभी अवैध कार्यों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाए जाएं एवं ऐसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन की गतिविधियों को बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में ग्राम स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने के दिन और स्थान तय किए जाएं। जिलाधिकारी ने संबंधितों को निर्देशित किया कि अपराध के विचाराधीन सभी मामलों का निस्तारण समयानुसार किया जाए। तथा अपराधों के संबंध में जन जागरूकता बढ़ाई जाए।जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके स्तर पर जो भी मजिस्ट्रियल जांच लंबित हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए।साथ ही उन्होंने कलेक्ट्रेट के समस्त स्टाफ को भी निर्देशित किया कि उनके संबंधित पटल पर कोई भी फाइल लंबित न रहे। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत राहुल आनंद, उपजिलाधिकारी सदर जयवर्धन शर्मा, भिकियासैंण सीमा विश्वकर्मा, जैंती/भनोली एनएस नगन्याल, समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कलेक्ट्रेट स्टाफ के अधिकारी एवं कर्मचारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

बंगाली महासम्मेलन की सफलता पर जताया आभार

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। शुक्रवार को रुद्रपुर के गांधी पार्क मे आयोजित हुये बंगाली महासम्मेलन की सफलता पर सितारगंज ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस उत्तम आचार्य ने समूचे क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उत्तम आचार्य ने कहा की इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विपरीत परिस्थिति का सामना करना पड़ा,जिसको लेकर रामचंद्र राय ,सुमित मण्डल,विनय विश्वास,सुमिंदर यादव,सहित सभी लोगो ने मेहनत करते हुये कार्यक्रम को सफल बनाया। साथ ही किसान यूनियन के गुरसेवक सिंह व भीम आर्मी के सत्येंद्र कुमार द्वारा अपना समर्थन दिये जाने पर उनका भी आभार जताया।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

किच्छा(उद संवाददाता)। बीते दिनों हल्द्वानी रोड तीसरी मिल के पास हुई सड़क दुर्घटना में घायल अक्षय जोशी का उपचार के दौरान निधन हो गया है।जबकि उसके

साथी बबलू राजपूत की हल्द्वानी ले जाते समय रास्ते में ही मृत्यु हो गई थी। अक्षय की मौत का समाचार सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।मृतक के पिता का भी कुछ समय पूर्व निधन हो गया था। मृतक के पिता राज्य निर्माण आन्दोलनकारी भी थे। मृतक के करीबी हरीश जोशी ने बताया कि कुछ दिन पूर्व बबलू राजपूत और अक्षय जोशी की मार्ग में दुर्घटना में घायल हो गए थे जिन्हे किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी थी।जिसमें बबलू राजपूत की तुरंत मृत्यु हो गई थी अक्षय जोशी अस्पताल में भर्ती था बरेली में उसका भी निधन हो गया है ।

पेज एक का शेष...

खेल प्रतिभाओं को निखारने का ....सरकार राज्य में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। आज खेल महज एक शौक नहीं बल्कि रोजगार का एक साधन भी बन गया है। राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में पदक लाने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा नगद पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा रहा हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री धामी ने खिलाड़ियों से बातचीत कर उनसे खेल सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और सदैव अच्छा खेल प्रदर्शन कर भविष्य में राज्य का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने स्टेडियम के निर्माणधीन भवनों के साथ ही खिलाड़ियों को दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। राज्य ओलम्पिक खेल के दूसरे दिन ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष राजीव मेहता, जिलाधिकारी उदयराज सिंह, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, राज्य ओलम्पिक संघ के महासचिव डा. डीके सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत,मण्डी परिषद अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू,भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल,विकास शर्मा, भारत भूषण चुघ, राकेश सिंह,अमित नारंग सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

घर में घुसकर कई.........लक्की द्वारा कई राउंड फायरिंग की गई। जिससे वह और उनके परिवार के बच्चे भयभीत हो गए। फायरिंग के कारण घर में खड़ी मोटरसाइकिल के टायर और दीवारों पर गोलियों के निशान लग गए हैं। इसके बाद लक्की द्वारा की गई फायरिंग से छत पर लगे एसी में भी फायर के निशान पाए गए। जिसके बाद लक्की मौका मिलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए छत के रास्ते से भाग गया। अमर सिंह ने रात में ही थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। जिस पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया।

अधजला शव मिलने..........मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इस मौके पर एसपी देहात स्वपन किशोर मौके पर पहुंचे और घटना स्थल के साथ ही शव का बारीकी से निरीक्षण किया। एसपी देहात स्वपन किशोर ने बताया कि पुलिस को अधजला शव की सूचना मिली थी। जिसकी हर पहलुओं से जांच कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की जा रही है।

सिक्स सिग्मा में गेस्ट लेक्चर का आयोजन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में गेस्ट लेक्चर का आयोजन पॉलीटेक्निक तथा फार्मेसी विभाग के प्रधानाचार्य ललित सिंह बिष्ट व डॉ विजय सिंह तथा टी.एंड.पी. हेड रजत धवन के निर्देशन में किया गया। गेस्ट लेक्चर में मदर्सन सोमी के एच.आर.हैड सुभाष चंद्र तिवारी ने मानव संसाधनों (रणनितिक उद्देश्य, परीक्षण व विकास, इंटरव्यू टिप्स) के विषय में बताया। गेस्ट लेक्चर में 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया । जिसमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रोडकेशन एवं ऑटोमोबाइल, सिविल इंजीनियरिंग के तृतीय वर्ष के छात्र-छात्रा तथा बी.फार्मा अंतिम वर्ष, डिप्लोमा इन फार्मेसी के अंतिम वर्ष छात्र-छात्रा रहे । इस गेस्ट लेक्चर में उन्होंने अपनी उपलब्धियों के माध्यम से बच्चों को प्रोत्साहित किया तथा मार्केटिंग के क्षेत्र में बच्चों का मार्गदर्शन किया तथा आज तक

अपनी यात्रा सांझा की और मार्केटिंग के क्षेत्र में कैरियर के अवसरों के बारे में चर्चा की। गेस्ट लेक्चरर कार्यक्रम मे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी प्राचार्य डॉ. विजय सिंह, प्रधानाचार्य कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक ललित सिंह बिष्ट, उप-प्रधानाचार्य मुकेश कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड रजत धवन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुभव बाठला विक्की कुमार, स्वाति रखोलिया, छात्र-छात्रा आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर लापता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नारायण कालोनी ट्रांजिट कैम्प से गत दिनां संदिग्ध परिस्थितियों में एक किशोर घर से लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने लापता किशोर की तलाश शुरू कर दी है। संजय सिंह पुत्र हरपाल सिंह निवासी नारायण कालोनी गली नंबर एक ट्रांजिट कैम्प ने बताया कि 8 सितम्बर को सायं उसका करीब 15 वर्षीय पुत्र नितिन सिंह घर से बिना बताए कही चला गया। जिसके बाद से परिजनों ने पुत्र की सभी सम्भावित जगह व रिश्तेदारी में खोजबीन कर ली है लेकिन उसका कही पर कुछ पता नही चल रहा है । पुलिस ने गुमशुदगी की सूचना दर्ज कर लापता किशोर की तलाश शुरू कर दी है।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
05944-245817

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

एसएसपी पीएन मीणा ने किए ताबड़तोड़ तबादले

नैनीताल जिले के 52 निरीक्षक, उपनिरीक्षक और अपर उपनिरीक्षकों का किया स्थानांतरण

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा की ओर से नैनीताल जिले के 52 निरीक्षक, उपनिरीक्षक और अपर उपनिरीक्षक की स्थानांतरण सूची शुक्रवार देर रात जारी की गई है। प्रभारी निरीक्षक थाना हल्द्वानी उमेश कुमार मालिक को प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ व प्रभारी डीसीआरबी, निरीक्षक राजेश कुमार यादव को पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी बनाया गया है। धर्मवीर सिंह सोलंकी पुलिस लाइन से प्रभारी एफएफयू व एसआईएस, दिनेश सिंह फर्त्याल को प्रभारी निरीक्षक लालकुआं से पुलिस लाइन, डीआर वर्मा को प्रभारी निरीक्षक थाना भवाली से प्रभारी निरीक्षक थाना लालकुआं भेजा गया है। हेमचंद्र पंत को प्रभारी साइबर सेल से प्रभारी निरीक्षक भवाली, भगवान सिंह महर को थानाध्यक्ष कालाढूंगी से पीआरओ एसएसपी, पंकज जोशी को थानाध्यक्ष मुखानी से थानाध्यक्ष कालाढूंगी, विजय सिंह मेहता को प्रभारी चौकी मंडी से थानाध्यक्ष मुखानी, भुवन सिंह राणा को थानाध्यक्ष चोरगलिया से प्रभारी चौकी मंडी, राजेश कुमार जोशी को प्रभारी चौकी पीरुमदारा से थानाध्यक्ष चोरगलिया, फिरोज आलम को मल्ला काठगोदाम प्रभारी चौकी से साइबर सेल, दिलीप कुमार को प्रभारी चौकी रामगढ़ से प्रभारी चौकी मल्ला काठगोदाम स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह गुलाब सिंह कम्बोज को प्रभारी चौकी बैलपड़ाव से प्रभारी चौकी रामगढ़, आसिफ खान को प्रभारी चौकी मालधन से थाना भवाली, धर्मेंद्र कुमार प्रभारी चौकी खैरना से चौकी प्रभारी मालधन, महेंद्रराज सिंह प्रभारी चौकी दमुवादूंगा से प्रभारी चौकी धारी, अरुण सिह राणा को प्रभारी चौकी धारी से प्रभारी चौकी

दमुवादूंगा भेजा गया है। कृष्णा गिरी को प्रभारी चौकी कैंची से प्रभारी चोकी बैलपड़ाव, नीरज कुमार चौहान को प्रभारी चौकी हाईकोर्ट से थाना रामनगर, नरेश पंत को प्रभारी साइबर सेल से प्रभारी चौकी हाईकोर्ट भेजा गया है। प्रताप सिंह को पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी हंसपुर खत्ता, बलबीर सिंह राणा को थाना चोरगलिया से प्रभारी चौकी कुंवरपुर, सुनील सिंह धानिक को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी पीरुमदारा, सुनीता कुंवर को थाना बनभूलपुरा से प्रभारी महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, गुरुविंदर कौर को थाना मुखानी से थाना भीमताल स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह सुरभि राणा को थाना चोरगलिया से थाना बनभूलपुरा, नीशु गौतम को थाना कालाढूंगी से थाना चोरगलिया, मोनी टम्टा को पुलिस लाइन से थाना रामनगर, दीपा जोशी को चुनाव सैल से थाना मुखानी, आशा बिष्ट को पुलिस लाइन से थाना मुखानी, रेनू सिंह को थाना रामनगर से थाना हल्द्वानी स्थानांतरित किया गया है। रविंद्र राणा को प्रभारी एएनटीएफ से थाना भीमताल, मोहन सिह सौन को पुलिस लाइन से प्रभारी एएनटीएफ, शिवेंद्र सिंह नेगी को पुलिस लाइन से थाना बनभूलपुरा, दीपक सिंह कार्की को पुलिस लाइन से थाना मल्लीताल भेजा गया है। सतीश चंद्र उपाध्याय को पुलिस लाइन से थाना तल्लीताल, हर्ष बहादुर पाल को पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी कैंची, गणेश दत्त जोशी को पुलिस लाइन से थाना रामनगर, राजेंद्र सिंह को पुलिस लाइन से थाना मुखानी, आनंद बल्लभ जोशी को पुलिस लाइन से थाना हल्द्वानी, दान सिंह को पुलिस लाइन से थाना मुखानी, विजय सिंह राणा को पुलिस लाइन से थाना रामनगर, शेर सिह राणा को पुलिस लाइन से चौकी टीपी नगर भेजा गया है। विजय कुमार को पुलिस लाइन से चौकी मल्ला काठगोदाम, नवीन सोराडी पुलिस लाईन से चौकी हल्दूचौड़, बलवीर चंद्र को पुलिस लाइन से थाना कालाढूंगी, मोहन चंद्र को पुलिस लाइन से थाना हल्द्वानी, नरेश कुमार को पुलिस लाइन से थाना हल्द्वानी, चम्पा मेहरा को थाना काठगोदाम से थाना मुखानी, भूपेंद्र सिंह बिष्ट को थाना भवाली से एफएफयू और कैलाश चंद्र को थाना लालकुआं से भीमताल स्थानांतरित किया गया है।

बेहड़ ने लाभार्थियों को चेक वितरित किये

किच्छा(उद संवाददाता)। विधायक तिलकराज बेहड़ के कार्यालय में विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड ने विधानसभा के गरीब परिवारों को पुत्रियों के

विवाह तथा आर्थिक सहायता हेतु एक लाख रूपये के चेक 11 परिवारों को वितरित किये गए। विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़ ने बताया कि किच्छा विधानसभा में निवास कर रहे गरीब परिवारों ने आर्थिक मदद तथा पुत्रियों के विवाह तथा आर्थिक मदद करने के लिए आवेदन दिए थे तथा विधायक का पूरा प्रयास है कि सब तक सरकार के माध्यम से आर्थिक मदद पहुंचा सके। इसी संबंध में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी जी से मुलाकात कर 11 आवेदन दिए थे जिन पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष ने संस्तुति करते हुए 09 परिवारों को प्रत्येक परिवार को 10000/- तथा 2 परिवारों को प्रत्येक परिवार को 5000/- की धनराशि के चेक भेजे। जिनको आज किच्छा आवास विकास कार्यालय में लाभार्थियों को प्रदान किये गये। चेक प्राप्त करने वाले लाभार्थी सुखरानी, बलवीरों कौर,विनोद कुमार,कामनी, संजीव,धर्मवीर रजो देवी,मंजू कश्यप तथा शीला देवी और मुस्लिम अंसारी आदि11 परिवारों को 1 लाख रूपये के चेक वितरित किये गए। इस मौके पर सभी लाभार्थियों ने विधायक तिलकराज बेहड़ का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया तथा उन्होंने कहा कि उनकी पुत्रियों के विवाह हेतु विधायक के प्रयासों से उन्हें जो मदद प्राप्त हुयी है उसके लिए वह सदैव उनके आभारी रहेंगे। इस मौके पर निवर्तमान अध्यक्ष दर्शन कोली, धर्मेन्द्र सिन्धी आदि लोग उपस्थित रहे।

जीवन का आधार है प्रभु श्री राम: ग्रोवर

गदरपुर(उद संवाददाता)। नगर के वार्ड न.1 करतारपुर रोड पर आयोजित श्री शिव दुर्गा मंदिर युवा रामलीला में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे एडवोकेट कुनाल ग्रोवर का स्वागत किया गया। रामलीला के अध्यक्ष उमेश चंद्रा ने प्रभु राम का पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया।इस दौरान एड0 कुनाल ग्रोवर ने कहा प्रभु राम जीवन का आधार है प्रभु राम ने ही बताया है कि पुत्र भले दशरथ जैसे राजा का हो या किसी रंक का अगर जीवन मे संघर्ष लिखा है तो उस संघर्ष को मर्यादा में रहते हुए पालन करना ही होगा साथ ही उन्होंने कहा मानव जीवन मे प्रभु राम का अवतार हुआ और उन्होंने सिखाया है कि जीवन मे मर्यादा का पूरा पालन करना चाहिए भले ही वो माता पिता की सेवा हो या भाइयो से प्यार हो समाज को एक साथ लेकर चलना ही जीवन का सबसे बड़ा कर्तव्य है। उन्होंने रामलीला कर रहे युवकों का आत्मबल बढ़ाते हुए हमेशा ईश्वर की सेवा में लगे रहने का आवाहन किया। इस दौरान उमेश चंद्रा, सोम कश्यप, दीपक कुमार, दीपक प्रजापति, मुकेश कश्यप, अंकित कश्यप, पंकज कश्यप, राहुल कश्यप आदि मौजूद रहे।

रम्पुरा में श्री रामलीला मंचन का हुआ भव्य शुभारम्भ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। रम्पुरा में श्री श्री शिव मंदिर चौरासी घंटा कमेटी की ओर से आयोजित भगवान श्री राम की लीला के मंचन का पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने विधिवत फीता काटकर एवं दीप जलाकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर ठुकराल एवं विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी संजय ठुकराल, जगदीश ठुकराल एवं राजकुमार भुसरी का आयोजकों ने स्वागत करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम समाज के लिए आदर्श और परम पूजनीय हैं। रामलीला समाज को सही मार्ग पर चलना सिखाती है। मर्यादा में रहकर ही किसी व्यक्ति को कोई कार्य करना चाहिए। रामलीला से हर व्यक्ति को सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राम लीला में भगवान श्रीराम ने रावण रूपी बुराई के उपासक को खत्म कर लोगों को सत्य के प्रति जागरूक किया। श्री ठुकराल ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को सत्य का पुरोधा बताते हुए कहा कि श्री राम एक आदर्श पुरुष थे जिन्होंने पिता की आज्ञा के पालन के लिए वनवास काटा। आज की युवा पीढी को भी अपने माता-पिता की आज्ञा माननी चाहिए। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को उनके पदचिह्नों पर चलने की सीख दी। पहले दिन रामलीला कलाकारों ने विभिन्न दृश्यों का मंचन करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हिम्मत राम कोली, कांति कोली ,यादराम कोली ,लालमन कोली, किशन कोली ,शंकर कोली, राहुल कोली ,राम बहादुर कोली, आशीष श्रीवास्तव, राजू गुप्ता, बंटी कोली, रुद्रा सिंह, राजकुमार कोली, अमन पांडे सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।